RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक
लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 88 ● भिलाई, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

क्या भारत की क्रिप्टो टैक्स नीति में बदलाव का समय आ गया है

नई दिल्ली। थाईलैंड सरकार ने हाल ही में एक बड़ा कदम उठाते हुए क्रिप्टो एसेट्स की बिक्री से होने वाले पूंजीगत लाभ (कैपिटल गेन) पर पाँच साल के लिए टैक्स छूट देने की घोषणा की है। यह छूट 1 जनवरी 2025 से शुरू होकर 31 दिसंबर 2029 तक लागू रहेगी। यह कदम उनके पुराने टैक्स ढांचे को उलटता है, जिसमें प्रगतिशील कर दरें 35त्न तक जा सकती थीं। हालांकि, इस छूट का लाभ केवल उन लेनदेन पर मिलेगा जो थाई सरकार के साथ पंजीकृत एक्सचेंजों के माध्यम से किए गए हों। इस कदम का उद्देश्य अनधिकृत विदेशी एक्सचेंजों की मौजूदगी को कम करना और अधिक से अधिक निवेशकों को एक औपचारिक और विनियमित ढांचे में लाना है।यह उन कई देशों में से एक उदाहरण है जो क्रिप्टो ट्रेडिंग पर कर भार घटाते हुए इस नए क्षेत्र को विनियमित करने के उपाय खोज रहे हैं।

पाथरप्रतिमा के जी प्लॉट में मगरमच्छ के हमले में मछुआरे की मौत हुई

पाथरप्रतिमा। दक्षिण 24 परगना के पाथरप्रतिमा के जी प्लॉट में मगरमच्छ के हमले में एक मछुआरे की मौत हो गई। मछुआरे का नाम शंकर हाती (42) है। वह नाव संख्या 3 मां लक्ष्मी लेकर मछली पकड़ने गया था।इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस व वन सूत्रों के अनुसार, मृत मछुआरा शंकर हाती दक्षिण 24 परगना के पाथरप्रतिमा ब्लॉक के जी-प्लॉट ग्राम पंचायत के अंतर्गत गोवर्धनपुर कोस्टल थाना अंतर्गत दासपुर उत्तरी सुरेंद्रगंज इलाके के निवासी थे। परिवार के अनुसार, शंकर के घर विजयादशमी के अवसर पर रिश्तेदार आए हुए थे। उन्हें खिलाने के लिए शंकर नदी से ताज़ी मछली पकड़ने निकले थे। वे अपने घर के पास जगद्दल नदी में जाल डाल रहे थे। अचानक जाल में ज़ोरदार खिंचाव महसूस हुआ। उन्हें लगा कि कोई बड़ी मछली फंस गई है, इसलिए वे घुटनों तक पानी में उतरकर जाल खींचने लगे। लेकिन कुछ ही क्षणों में दृश्य बदल गया। जाल में मछली नहीं, मौत फांसी थी।

बिहार चुनाव 2025- दो चरण में होंगे विधानसभा चुनाव

बिहार में 6 और 11 नवंबर को मतदान, 14 को मतगणना

नयी दिल्ली/ एजेंसी

निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को तारीखों का ऐलान करने के साथ ही बिहार में चुनावी बिगुल बज गया. राज्य विधानसभा चुनाव के लिए आगामी छह नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर होगी. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दोनों निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की और कहा कि बिहार का चुनाव का सभी चुनावों से अहम (मदर ऑफ़ऑल इलेक्शंस) होता है. कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले चरण में 121 और दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान होगा. बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीट हैं. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर को होगी, 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं. उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर को होगी, 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे. उनके अनुसार, राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 3.92 करोड़ और महिला मतदाता 3.50 करोड़ हैं. कुमार ने बताया कि 14 लाख मतदाता बिहार

विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान कर सकेंगे. बिहार की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है. राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग से अक्टूबर के अंत में छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया था, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में राज्य के बाहर काम करने वाले लोग उस दौरान त्योहारों के लिए घर लौटते हैं. राज्य में वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में तीन चरणों में हुए थे. कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार के मततदाता आयोग के साथ मजबूती से खड़े हैं और निर्वाचन आयोग भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि मृत्यु होने, भारतीय नागरिक नहीं होने, प्रवासन और नाम के दोहराव के कारण बिहार की मतदाता सूची से 69 लाख नाम हटाए गए, हालांकि उन्होंने इनके अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए. उन्होंने कहा कि यदि किसी का नाम छूट गया है, तो नामांकन की तिथि से 10 दिन पहले तक अपना नाम जुड़वा सकते हैं. कुमार ने कहा कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव मतदाताओं के लिए बहुत ही सुगम और सरल होंगे.

बुर्कानशीं मतदाताओं की पहचान के लिए आंगनवाड़ी सेविकाएं उपलब्ध रहेंगी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में बुर्कानशीं या पर्दानशीं मतदाताओं की पहचान के लिए मतदान केंद्रों पर आंगनवाड़ी कर्मी उपलब्ध रहेंगी तथा आवश्यकता होने पर तय निर्देशों के तहत पहचान का सत्यापन होगा. उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने से संबंधित संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की. कुमार से सवाल किया गया कि बुर्के या घूंघट में आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान के लिए क्या प्रबंध किए गए हैं? इसके जवाब में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, जहां तक बुर्कानशीं की बात हो रही हैज्पर्दानशीं की बात हैज्तो पहचान के लिए हमारी आंगनवाड़ी सेविकाएं उपलब्ध रहेंगी.

सीजेआई पर जूता उछालने वाले वकील हिरासत में

सीजेआई गवई ने कहा-ऐसी घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक चौंकाने वाली घटना हुई। यहां सुनवाई के दौरान एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शख्स ने कोर्ट के अंदर नारेबाजी भी की। बाद में कोर्ट में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर निकाला। इससे कुछ देर के लिए कोर्ट की कार्यवाही बाधित रही। लाइव लॉ वेबसाइट के मुताबिक, अदालत में मौजूद लोगों ने बताया कि पकड़े गए शख्स ने नारे लगाए- सनातन धर्म का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने वेबसाइट को बताया कि व्यक्ति ने सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी, वहीं कुछ और ने कहा कि चीफ जस्टिस पर कागज का रोल फेंका गया। इस व्यक्ति के वकील की वेशभूषा में होने का भी दावा किया गया है। दूसरी तरफ कानूनी मामलों से जुड़ी वेबसाइट बार एंड बेंच ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों से केस के बारे में सुन रही थी, तभी एक वकील दौड़ता हुआ आगे आया और अपना चीफ जस्टिस पर हमले के लिए पैर से जूता निकालने की कोशिश करने लगा। हालांकि, लगभग तुरंत ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और कोर्ट से बाहर कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने इस घटना के बाद कहा कि उन्हें इन घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही जारी रखने की बात कही। बताया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में जांच बिठा दी है।

वाराणसी में हनुमान चालीसा पाठ बजाने पर विवाद, पुजारी को धमकाने का आरोप

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मंदिर के पुजारी को धमकाने का मामला तेजी से तूल पकड़ रहा है। विवाद उस समय उत्पन्न हुआ, जब मंदिर में स्पीकर पर हनुमान चालीसा पाठ बजाया जा रहा था। इस घटना के कारण हिंदू संगठन से जुड़े लोगों में भारी गुस्सा है। उन्होंने विरोध करते हुए मौके पर जाकर फिर से हनुमान चालीसा पाठ किया। जानकारी सामने आई कि वाराणसी के मदनपुर क्षेत्र में स्थित एक हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ बजाया जा रहा था। आरोप है कि हनुमान चालीसा पाठ पर विशेष समुदाय के लोगों ने आपत्ति जताई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति को पुजारी के साथ बहस करते हुए देखा गया।

बिहार चुनाव निरंतर विकास और घुसपैठियों से मुक्ति के लिए

राजग ने बिहार को जंगलराज से बाहर निकाला:अमित शाह

नयी दिल्ली/ एजेंसी

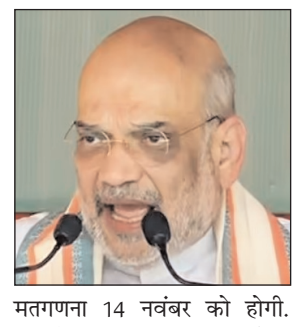

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने बिहार को 'जंगल राज' से बाहर निकाला और इसे विकास एवं सुशासन की नयी दिशा दी है. उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य के लोग आगामी विधानसभा चुनाव में एक बार फिर विकास की राजनीति को चुनेंगे. शाह की यह टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के ठीक बाद आई है, जिसके तहत छह और 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि

मतगणना 14 नवंबर को होगी. शाह ने 'एक्स' पर कहा, निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है. लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए समस्त बिहारवासियों को बधाई. उन्होंने कहा, मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार ने बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास और सुशासन की नयी दिशा दी है. आज बिहार, गरीब कल्याण के साथ आधारभूत ढांचा, स्वास्थ्य, शिक्षा हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बन रहा है. शाह ने कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि बिहार की जनता इस बार भी विकास की राजनीति को चुनेगी. बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि यह चुनाव राज्य के विकास को जारी रखने, घुसपैठियों से मुक्ति दिलाने और जंगल राज की वापसी को रोकने के लिए है.

अलग लिंगायत धर्म की मांग

सिद्धारमैया ने कहा-लोगों का रुख ही मेरा रुख है...

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लिंगायतों को एक अलग धर्म के रूप में मान्यता देने की मांग से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि लिंगायतों को एक अलग धर्म मानने की मांग एक पूर्व-भूमि का मामला है। न पूर्व-भूमि का, न ही पृष्ठभूमि का। कुछ एकांतप्रिय स्वामीजी इस बारे में बात करते हैं। जब मंत्री शिवराज थंगाडगी ने उन्हें बताया कि पत्रकार इस मुद्दे पर उनकी राय जानना चाहते हैं, तो मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तीखी प्रतिक्रिया दी, हाँ! इस पर मेरा कोई रुख नहीं है। जनता का रुख ही मेरा रुख है। थंगाडगी ने सहमति जताते हुए कहा कि सरकार जनता के नज़रिए से सहमत है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट

किया कि इस मामले में कोई क्रांति या प्रांती नहीं होगी। लिंगायत समुदाय ने अपने कई संतों के नेतृत्व में, रविवार को लिंगायत मातादीशारा ओक्कुटा द्वारा आयोजित 'बसव संस्कृति अभियान-2025' के समापन समारोह में एक अलग धर्म के रूप में मान्यता की अपनी माँग दोहराई।

उत्तर बंगाल प्राकृतिक त्रासदी पर एकजुट हुए विपक्ष के नेता

कोलकाता। भले ही बंगाल में कोई भी मौसम हो लेकिन राजनीतिक पारा चढ़ा ही रहता है। लेकिन उत्तर और दक्षिण बंगाल में शनिवार रात से लगातार हो रही भारी बारिश ने व्यापक तबाही मचा दी है। भूस्खलन की घटनाओं ने कई क्षेत्रों में सड़क संपर्क काट दिया है, और अब तक कम से कम 17 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी और अलिपुरद्वार के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। कई पर्यटक अपने-अपने होटलों में फंसे हुए हैं। ऐसे में बंगाल में विपक्षी नेताओं ने एक जुटता का रुख अपना कर बंगाल में इस हालात पर ममता सरकार के साथ खड़े दिखें।

नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा हुई

मनुष्य की प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित खोज के लिये तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार.......

स्टॉकहोम। मैरी ई ब्रुनको, फ्रेड रैमस्डेल और शिमॉन साकागुची को 'पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस' से संबंधित उनकी खोजों के लिए इस साल का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार देने की सोमवार को घोषणा की गई. ब्रुनको (64) सिएटल स्थित इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी में वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक हैं. 64 वर्षीय रैमस्डेल सैन फ्रांसिस्को स्थित सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स के वैज्ञानिक सलाहकार हैं, वहीं 74 वर्षीय साकागुची जापान के ओसाका विश्वविद्यालय के इम्यूनोलॉजी फ्रंटियर रिसर्च सेंटर में प्रोफेसर हैं. प्रतिरक्षा प्रणाली में

विषाणु, जीवाणु और अन्य हानिकारक कारकों का पता लगाने और उनसे लड़ने के लिए कई प्रणालियां होती हैं. टी कोशिकाओं जैसे प्रमुख प्रतिरक्षा योद्धाओं को हानिकारक कारकों की पहचान करने का प्रशिक्षण दिया जाता है. अगर कुछ कारक इस तरह से गड़बड़ा जाते हैं कि स्वप्रतिरक्षी (ऑटो इम्यून) रोग उत्पन्न हो सकते हैं, तो उन्हें थाइमस में नष्ट कर दिया जाना चाहिए ङ्क इस प्रक्रिया को 'सेंट्रल टॉलरेंस' (केंद्रीय सहनशीलता) कहा जाता है. नोबेल विजेताओं ने शरीर द्वारा इस प्रणाली को नियंत्रित रखने के एक अतिरिक्त तरीके का खुलासा किया. नोबेल समिति ने कहा कि इसकी शुरुआत 1995 में साकागुची द्वारा एक अज्ञात टी कोशिका के उपप्रकार की खोज से हुई, जिसे अब नियामक टी कोशिकाएं या टी-रेग्स के रूप में जाना जाता है. फिर, 2001 में, ब्रुनको और रैमस्डेल ने फॉक्सपी3 नामक जीन में एक संभावित उत्परिवर्तन की खोज की. यह जीन एक दुर्लभ मानव स्वप्रतिरक्षी रोग में भी भूमिका निभाता है. नोबेल समिति ने कहा कि दो साल बाद, साकागुची ने इन खोजों को जोड़कर दिखाया कि फॉक्सपी3 जीन उन टी-रेग्स के विकास को नियंत्रित करता है।

मृतकों के परिवार वालों ने की न्यायिक जांच की मांग

जयपुर के अस्पताल में लगी भीषण आग.....आठ मरीजों की मौत,मौके पर पहुंचे सीएम भजनलाल

जयपुर। एजेंसी

राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में देर रात आईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बड़ी घटना सामने आई है। इस हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई है, जबकि कई गंभीर मरीजों को सुरक्षित निकाला गया। मौके पर मौजूद डॉक्टरों, नर्सों और दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ट्रॉमा सेंटर इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ ने जानकारी दी कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी प्रतीत होती है। आईसीयू में भर्ती ज्यादातर मरीज पहले से ही बहुत गंभीर स्थिति में थे और कई कोमा में थे। उनके सर्वाइवल रिफ्लेक्स कमजोर थे, इसलिए उन्हें तुरंत शिफ्ट करना मुश्किल रहा। आग से निकलने वाले टॉक्सिक गैसों के कारण मरीजों की हालत और बिगड़ गई। हमने उन्हें निचले फ्लोर के आईसीयू में शिफ्ट करने की कोशिश की, लेकिन सात मरीजों को बचाया नहीं जा सका। हादसे

की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद सवाई मान सिंह अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ राजस्थान सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेधम भी मौजूद थे। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री को सूचना मिली कि ढ्ढष्ट में शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। कुछ लोगों की मौत हुई है, जबकि 24 में से ज्यादातर मरीजों को बचा लिया गया है। सरकार घायलों के इलाज को प्राथमिकता दे रही है।फिलहाल, अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं, जबकि पुलिस और फॉरेंसिक टीम आग के कारणों की विस्तृत जांच में जुटी है। इस घटना के बाद पूरे अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और फायर सिस्टम की समीक्षा भी की जा रही है। जयपुर पुलिस आयुक्त बिजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि आग लगने के कारणों का खुलासा एफएसएल (स्नस्रु) टीम की जांच के बाद ही हो सकेगा। शुरुआती जांच में यह मामला शॉर्ट सर्किट का लग रहा है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट जांच के बाद ही मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में 6 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि बाकी मरीजों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर इलाज जारी है। मृतकों के शवों को मॉर्चरी में रखा गया है और सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

दिल्ली सरकार की सुप्रिम कोर्ट से अपील

दिवाली पर प्रमाणित हरित पटाखों को मिले मंजूरी....

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार दिवाली के दौरान प्रमाणित हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार लिखित रूप में न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करेगी और सभी आधिकारिक दिशानिर्देशों और पर्यावरणीय मानदंडों का पालन करने वाले पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति का अनुरोध करेगी। सीएम गुप्ता ने कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य जनभावनाओं और पर्यावरण सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि

त्योहार आनंदमय और ज़िम्मेदारी भरे हों। उन्होंने कहा कि दिवाली भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। करोड़ों दिल्लीवासियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, हमारी सरकार सर्वोच्च न्यायालय से त्योहारों के दौरान हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देने की अपील करेगी।

CMYK

सीबीआई रिपोर्ट आने के बाद बिरनपुर कांड पर भाजपा नेता मांगें माफी : उपाध्याय

बेमेतरा। बिरमपुर कांड ममाले में सीबीआई का रिपोर्ट आने के बाद भाजपा नेताओं को जनता से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि बिरमपुर की घटना कोई राजनीतिक नहीं था। यह मांग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बेमेतरा जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने की है। राजीव भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विकास उपाध्याय ने कहा कि 8 अप्रैल 2023 को बीरमपुर में दो व्यक्तियों के बीच की घटना के बाद प्रदेश और देश के वातावरण को एक विशेष विचारधारा में बांटना चाहते थे, किंतु सीबीआई की रिपोर्ट जो आया है, उसमें सब कुछ स्पष्ट है। उपाध्याय ने कहा कि इस बात को कांग्रेस वाले पहले से कह रहे थे बिरमपुर में दो बच्चों की लड़ाई हुई थी जो दो परिवार का बना बाद में दो समाज तक पहुंच गया था। भाजपा ने जनता को भी गुमराह किया और झूठ बोला है, क्योंकि उस समय छत्तीसगढ़ में विधानसभा का चुनाव का समय था, तब भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं ने बिरमपुर कांड को बहुत जोर जोर से उठाया और राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया गया। इस मामले में राजनीतिक षड्यंत्र रचा गया था, पर सीबीआई ने इस मामले में बहुत स्पष्ट और साफ रूप से अपनी रिपोर्ट रखी। बीजेपी वालों ने इस बीरमपुर कांड को मोहरा बनाकर उपयोग किया और छत्तीसगढ़ जैसे शांत प्रदेश में सांप्रदायिकता का रूप देकर इस चुनाव में भुनाने का प्रयास भी किया गया। उस समय यहां के लोगों को तोड़ने के लिए यह सब काम किया गया। कांग्रेस ने कभी ऐसा काम नहीं किया बल्कि भूपेश सरकार के 5 साल तक विकास किया गया, जिसमें 2 साल करोना काल में भी कठिन परिस्थितियों में भी हम लोगों ने काम किया है। किसी की जान बचाई है तो किसी का सहयोग किया है। कोई एक व्यक्ति भूखा नहीं मारा है पर बीजेपी वालों ने इसे एक व्यक्ति की लड़ाई को एक संप्रदाय के रूप में देने का प्रयास किया गया जिसका परिणाम यह रहा कि प्रदेश के दूसरे विधानसभा क्षेत्र में भी प्रभावित करने का प्रयास किया गया। भाजपा इस घटना के माध्यम से लोगों के भावना भड़काकर वोट लेने का प्रयास किया, जबकि धर्मांतरण के मामले पर कानून बनाया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ बनने के बाद पहली बार जब कांग्रेस की सरकार बनी तब लोगों को अपनापन लगा। उन्होंने कहा अब जबकि सब कुछ स्पष्ट हो गया है तो तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष एवं वर्तमान डिप्टी सीएम अरुण साव को नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस अवसर पर बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अवनीश राघव जिला पंचायत सदस्य शशी प्रभा गायकवाड़ हरीश साहु बेरला जनपद पंचायत अध्यक्ष माधुरी रवि परगनिहा सुरेंद्र तिवारी विजय बघेल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्टेटहाइवे में वाहन से कुचलकर मौत बगदई समीप रात्रि में दर्दनाक सड़क हादसा

डोंगरगांव नगर। नगर से 3 किलोमीटर दूर स्टेटहाइवे किनारे स्थित ग्राम बगदई समीप शनिवार रात्रि दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। घटना लगभग रात्रि 9 बजे की बताई गई है। अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को चपेट में ले लिया। व्यक्ति का सिर कुचल जाने से घटनास्थपर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की शिनाख्ति सुबह अक्तु साहू निवासी पैरी के बतौर परिजनों ने की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अक्तु साहू, 52 वर्ष, साकिन ग्राम पैरी अपने रिश्तेदार से मिलने बगदई आया था। रिश्तेदार से मिलने के उपरांत वह मेनरोड में बस स्टॉपेज समीप आकर खड़ा था। तभी किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया।

डौंडी लोहारा में पारंपरिक तरीके से मनाया गया विजयादशमी का पर्व

दल्लीराजहरा। जिले के डौंडी लोहारा में पूर्वजों की परम्परा को बरकरार रखते हुए राज घराने के दशहरा का पर्व बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। राज घराने के डौंडी लोहारा नगर पंचायत अध्यक्ष लाल निवेंद्र सिंह टेकाम सहित उनका पूरा परिवार आयोजन में शामिल हुआ। शुरुआत में परंपरागत तरीके से राज बाड़े में मौजूद देवी देवताओं का विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया। जिसके बाद नगरवासियों के साथ मिलकर जय श्री राम के नारे लगाते हुए रावण का दहन किया गया। फिर डीजे और बैंड बाजे के साथ शाही बग्गी में सवार होकर हाथी घोड़े के साथ नगर भ्रमण किया गया। सामने में नगर वासी बैंड और डीजे की धुन पर थिरकते भी नजर आए।

पारंपरिक रिलो नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

जैसे ही देवी देवताओं की पूजा अर्चना के बाद राम रावण की टोली राज परिवार के साथ रावण मारने निकली। टोली के सामने सामने पारंपरिक रिलो नृत्य, आतिशबाजी अखाड़े के साथ रावण मारने निकली। खासकर रिलो नृत्य लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

150 साल पुरानी परंपरा कायम

राज परिवार के लाडले लाल निवेंद्र सिंह टेकाम ने बताया कि लगभग 150 साल पहले से उनके पूर्वजों ने राज दशहरा की परम्परा बनाई थी। जिसके तहत उनके आराध्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना कर रावण मारने की परम्परा है। इसी परम्परा को आज भी कायम रखा गया है।

देवी देवताओं का होता है आव्हान

राज बाड़ा में राज दशहरा के दिन जब देवी देवताओं की पूजा अर्चना की जाती है तो उन्हें आव्हान भी किया जाता है। जिसके बाद छत्तीसगढ़ी परम्परा के साथ पूजा अर्चना करने के दौरान देवी देवताओं का आगमन होता है और उन्हीं की मौजूदगी में दशहरे का कार्य म सम्पन्न होता है।

भूगर्भ जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु दिया गया तकनीकी प्रशिक्षण

बेमेतरा। नगरपालिका परिषद मे भूगर्भ जल संरक्षण और संवर्धन हेतु नगर पालिका के इंजीनियरों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। भारत सरकार के शहरी और आवासीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट फार अर्बन अफेयर्स द्वारा नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस को बेमेतरा शहर में भूगर्भ जल के स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कलस्टर पार्टनर नियुक्त किया है। नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस के राणा चटर्जी एवं गंगदास सैनी ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में नगर पालिका सीएमओ नरेश वर्मा, अध्यक्ष विजय सिन्हा, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, पार्षद पंचू साहू, गौरव साहू, विकास तम्बेली, नीतू कोठारी, आकीब मलकानी, राजकुमार खांडे, निखिल साहू, लक्की साहू एवं एसडीओ पीएचई विभाग शामिल हुए।

संरक्षण और संवर्धन कार्य वैज्ञानिक तरीके से किया जाना अत्यंत आवश्यक

अभियंताओं को दिए गए तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला में नगरपालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि शहर में तेजी के साथ भूगर्भ जल का स्तर नीचे गिरा है, ऐसे में इसका संरक्षण और संवर्धन कार्य वैज्ञानिक तरीके से किया जाना अत्यंत आवश्यक है। अध्यक्ष ने अभियंताओं को शहर में जल संरक्षण कार्य को प्राथमिकता से करने कहा।

हर बूंद बचाना राष्ट्र निर्माण में योगदान

सिन्हा ने जल संरक्षण को लोक व्यवहार का हिस्सा बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम शादी-ब्याह, कार्यक्रमों में पानी की बोतल उठाते हैं, दो घूंट पीकर बाकी फेंक देते हैं। ऐसी आदतें बदलनी होंगी। पहले शहरों में कितने तालाब थे, वे समाप्त हो रहे हैं। तालाबों, नदियों में सीवर, नाली का पानी गिर रहा है। समझाना होगा कि यह वह पवित्र जल है जिसे हम पीते हैं। हर नागरिक को यह जिम्मेदारी उठानी होगी। जलाशयों में कूड़ा, गंदगी, प्लास्टिक डालने से रोकना होगा। पानी की हर बूंद बचाना राष्ट्र निर्माण में योगदान देने जैसा है।

राहुल गांधी को जान से मारने धमकी देने के आरोप महंगी बिजली के खिलाफ विद्युत विभाग का घेराव

डोंगरगांव नगर। कांग्रेस ने दिग्गजनेता राहुल गाँधी को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेसजनों ने महंगी बिजली बिल के खिलाफ मुख्यालय नगर के विद्युत विभाग कार्यालय में हल्लाबोल करते हुए घेराव कर दिया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर आक्रोश जताया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर वर्तमान भाजपा सरकार की गलत बिजली नीति एवं महंगे बिजली बिलों के विरोध में विद्युत कार्यालय घेराव तालाबंदी कार्यक्रम अंतर्गत विद्युत विभाग कार्यालय का घेराव कर दिया।

इस दरम्यान युवाओं ने जमकर आक्रोश दिखाते हुए कार्यालय में तालाबंदी की कोशिश की, हालांकि पुलिस बल की मौजूदगी से अधिकारी को जमकर खरी खोटी सुनाई। कांग्रेसजनों ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी को जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। उक्त अवसर पर डॉ नरेंद्र साहू, बलीराम साहू, मदन साहू, टिकेश साहू, सुयश नाहटा, संध्या साहू, क्रांति बंजारे, वीरेंद्र बोरकर, अरुणा देवांगन, वैशाली बोरकर, गणेश साहू, कमल नारायण वैष्णव, प्रियंक जैन, महेश सेन, लीलम गोस्वामी, शशांक खोब्रागढ़े, रितेश राजपूत, संजय मुटकुरे, रोशन यदु, राकेश साहू सहित अनेक कांग्रेसी शामिल थे।

गुरु रामदास के प्रकाश पर्व पर किया गया फल वितरण

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के बेमेतरा जिला अध्यक्ष हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा ने जानकारी दी। गुरु रामदास का प्रकाश पर्व 8 अक्टूबर को है, प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में बेमेतरा जिला शासकीय हॉस्पिटल में सिक्ख समाज बेमेतरा ने फल, प्रसाद का वितरण किया। गुरु रामदास जो सिख पंथ के चौथे गुरु हैं, उनके प्रकाश पर्व के पावन उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ सिख समाज, जिला बेमेतरा द्वारा विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरदीप सिंह राजा छाबड़ा के नेतृत्व में सिख संगत ने जिला अस्पताल बेमेतरा में मरीजों को फल वितरण किया और सभी के स्वास्थ्य एवं खुशहाली के लिए अरदास की। कार्यक्रम में सिख समाज के पदधिकारियों एवं संगत ने सेवा भावना में बढ़-चढ़कर भाग लिया। समाज सेवक इंदर सिंघ दत्ता, सुरेन्द्र सिंघ, सोनू गुंबर, प्रिंस सिंघ दत्ता, राजा सचदेव, गुरप्रीत कौर, शैली छाबड़ा, गुरप्रीत सिंघ, अंशु बग्गा, यश सिंघ सलूजा, लक्की सिंघ, रणजीत सिंघ शामिल थे। हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने कहा कि गुरु रामदास ने सेवा, विनम्रता और प्रेम का जो संदेश दिया है, वही हमारे जीवन का मार्गदर्शन है। समाज की सेवा ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने पंजाब में रामदासपुर शहर की स्थापना की, जो बाद में अमृतसर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उनका जन्म 1534 में लाहौर के चुना मंडी स्थित, एक गरीब परिवार में हुआ था, गुरु रामदास साहिब के बचपन में ही माता पिता चल बसे थे, उनको उनकी नानी ने पाला था और उनके बचपन का नाम भाई जेठाजी था, लोग बचपन में गुरु साहिब को अपमान भरी नजरों से देखते थे जिस भाई जेठाजी के पास स्नान करने को खाने को रहने को प्रबन्ध नहीं होता था, वही गुरु रामदास जी की सेवा नम्रता ने उन्हें अमृतसर के सोने के दरबार में बैठा दिया, लोग वहां जाकर सरोवर में स्नान कर दुःख मिटवाते हैं, दरबार साहिब में 24 घंटे लंगर सेवा चलती है, लोग बड़े ही श्रद्धा भाव से जाकर घंटों संगत के साथ लाइन में खड़े होकर, उनका आशीर्वाद प्राप्त करते है, हरदीप राजा छाबड़ा ने बताया कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, अगर हम सब गुरु रामदास साहिब के बताए नम्रता, सेवा, के मार्ग पर चलकर सबकुछ हासिल कर सकते हैं।

कवर्धा में दो पक्षों के बीच सड़क पर मारपीट का वीडियो वायरल, कबीरधाम पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

कवर्धा। जिले के कवर्धा शहर स्थित नवीन बाजार चौक में दो पक्षों के बीच सड़क पर विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। यह पूरी घटना मौके पर मौजूद लोगों द्वारा मोबाइल में कैद कर ली गई और सोशल मीडिया में तेजी से वायरल होने लगी। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मारपीट में शामिल व्यक्तियों की पहचान की और दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में लेकर कड़ी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की। कबीरधाम पुलिस ने घटना पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में शांति और कानून-व्यवस्था को बाधित करने वालों के साथ किसी प्रकार की सहनशीलता नहीं बरती जाएगी। सड़क पर अनुशासनहीनता, गुंडागर्दी या सार्वजनिक हंगामा करने वालों के खिलाफ कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने निर्देश जारी किए हैं कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे असामाजिक तत्वों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कबीरधाम में कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सार्वजनिक व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस कार्रवाई से पुलिस ने यह सशक्त संदेश दिया है कि सोशल मीडिया में वायरल गुंडागर्दी या सड़क पर अनुशासनहीन व्यवहार करने वालों को तुरंत कानून का सामना करना पड़ेगा।

गिरफ्तार आरोपी

भावेश कुमार पिता मदन लाल पांडे, निवासी चांदनी चौक पांडातराई, जय पिता भरत, निवासी घोठिया, छोटू पाली पिता जनक पाली, निवासी पालीपारा कवर्धा।

सर्वे भवन्तु सुशिक्षिता : धर्म स्तंभ काउंसिल का ऐतिहासिक वैष्णव मठ शिक्षा अभियान

बेमेतरा। धर्म स्तंभ काउंसिल ने छत्तीसगढ़ की पावन धरती से एक अनूठी प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए सर्वे भवन्तु सुशिक्षिताः के सिद्धांत को चरितार्थ करने वाले एक महत्वाकांक्षी 'वैष्णव मठ शिक्षा अभियान' की शुरुआत की घोषणा की है।

इस अभियान का केंद्रीय लक्ष्य है, समाज के प्रत्येक बालक को शिक्षा और संस्कार से समृद्ध बनाना। इस पहल के तहत, राम जानकी मंदिर, निर्वाणी अखाड़ा, नवागढ़ के पीठाधीश्वर महंत सुरेंद्र दास महाराज के मार्गदर्शन में 9 से 15 वर्ष की आयु के 111 बालकों को वैष्णव मठों में प्रवेश दिया जाएगा, जहाँ उन्हें शिक्षा, संस्कार, भोजन एवं आवास की संपूर्ण व्यवस्था निःशुल्क प्रदान की जाएगी। 18 वर्ष की आयु के पश्चात अपने योग्यता और अभिरुचि के अनुरूप सामाजिक क्षेत्रों में कार्य कर मठ से प्राप्त सनातन संस्कारों के साथ नैतिक मूल्यों से युक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभायेंगे। इस योजना के पीछे के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए महंत सुरेंद्र दास महाराज ने निम्नलिखित बिंदु रखे।

शिक्षा के समकालीन द्वंद्व का समाधान

महंत ने कहा कि वर्तमान में केवल आधुनिक शिक्षा बच्चों के समग्र व्यक्तित्व का विकास करने में असमर्थ है, वहीं केवल परंपरागत ज्ञान उन्हें आधुनिक प्रतिस्पर्धा से दूर कर सकता है। यह योजना दोनों के बीच एक सार्थक एवं संतुलित समन्वय प्रस्तुत करती है। एक शिक्षित समाज तभी सार्थक होता है जब उसकी बुनियाद नैतिकता, अनुशासन और आध्यात्मिक मूल्यों पर टिकी हो। मठों में दी जाने वाली वैदिक-नैतिक शिक्षा बच्चों को केवल ज्ञानी ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनांगे। यह अभियान सभी जाति, वर्ग और पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए खुला है। उन्होंने जोर देकर कहा, भगवत्प्राप्ति का मार्ग जाति से नहीं, केवल शुद्ध भाव से प्रशस्त होता है। इस सिद्धांत के तहत कोई भी परिवार अपने बच्चों को इस कल्याणकारी योजना से जोड़ सकता है। इन 101 बालकों का सुशिक्षित एवं संस्कारित होना केवल एक परिवार या मठ की उपलब्धि नहीं, बल्कि सम्पूर्ण समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक सार्थक कदम है। आभाशी इंटरनेट की दुनिया से संस्कारों और मूल्यों को बचाने के साथ साथ बढ़ाने के लिए भविष्य के ये सनातनी युवा सामाजिक प्रदूषण को रोकने में समर्थ होंगे.धर्म स्तंभ काउंसिल के डॉ. रवींद्र द्विवेदी ने अभियान की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बात करते हुए कहा की आधुनिक शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत कर बच्चों को सामान्य शैक्षिक योग्यता प्रदान की जाएगी। वेद, पुराण, शास्त्र, शस्त्र विद्या के साथ-साथ भक्ति और साधना का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बच्चों को शुद्ध सात्विक आहार और एक सुरक्षित, अनुशासित वातावरण में निवास की सुविधा प्रदान की जाएगी। सेवा, सदाचार, अनुशासन और समाजोपयोगी जीवन के मूल्यों का समावेश हो। उचित समय पर वैष्णव दीक्षा संस्कार के माध्यम से बालकों के आध्यात्मिक विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा। महंत सुरेंद्र दास महाराज ने कहा, शिक्षा का अंतिम लक्ष्य केवल रोजगार पाना नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ और चरित्र से परिपूर्ण बनाना है। संस्कारयुक्त शिक्षा ही मनुष्य को वास्तव में श्रेष्ठ बनाती है। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने इसके भविष्य के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए बतलाया, यह योजना केवल 111 बच्चों तक सीमित नहीं रहेगी। हमारा संकल्प है कि इसका विस्तार करके पूरे समाज के हर वर्ग, हर परिवार और हर बालक तक इसका लाभ पहुँचे। इस अभियान का अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार बालादास, अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ युवा इकाई के अध्यक्ष राघवेन्द्र दास ने सराहना करते हुए, धर्म स्तम्भ कौंसिल को एक लाख रुपये के सहयोग भी प्रदान किया है। दूरभाष के माध्यम से भी पंजीयन के लिए काउंसिल ने नंबर जारी किए हैं। इसके साथ ही अभिभावक निम्नलिखित स्थानों पर संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं, राम जानकी मंदिर, नवागढ़, जमात मंदिर, थानखम्हारिया, बाला बाबा मंदिर, राजनादगाँव, राम जानकी मंदिर, नर्मदा कुण्ड, निर्वाणी अखाड़ा, स्टेशन रोड, रायपुर है।

संक्षिप्त समाचार

तालाब में नहाने गए युवक की डूबने से मौत, रिंग रोड-2 पर लगा जाम

रायपुर। कबीर नगर थाना क्षेत्र के सोनडोंगरी इलाके में सोमवार को नहाने गए एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मनराखन पटेल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक तालाब में नहाने गया था, तभी अचानक गहराई में चला गया और डूब गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी, लेकिन रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू होने में करीब 4 घंटे की देरी हो गई। इससे गुस्साए लोगों ने रिंग रोड नंबर दो पर चक्का जाम कर दिया। सड़क जाम की वजह से हाईवे पर तीन घंटे तक लंबा ट्रैफिक जाम लगा रहा। देर रात रेस्क्यू टीम ने युवक का शव तालाब से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोग प्रशासन की लापरवाही को लेकर काफी नाराज़ दिखे और अधिकारियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगाया।

पहले साथ में बैठकर पी शराब, फिर अपने ही दोस्त का कर दी हत्या

रायपुर। प्रदेश में अपराध का ग्राफ कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यहां आए दिन चाकूबाजी, हत्या जैसे कई अपराधिक घटनाएं सामने आ रही है। ऐसा ही एक मामला राजधानी रायपुर से सामने आया हैं, जहां दो युवक ने अपने ही दोस्ती की हत्या कर दी। पुलिस ने अब देनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पहले साथ में बैठकर सभी ने शराब पी। जिसके बाद दो आरोपी अपने ही दोस्त की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। इधर घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दी है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर ली है। फ्लिहाल दोनों आरोपियों ने किस वजह से इस वारदात को अंजाम दिया है इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है।

हर व्यक्ति में रहता है गुण और अवगुण: टीएस सिंहदेव

रायपुर। भाजपा विधायक रेणुका सिंह के विवादित बयान पर राजनीतिक गलियारों में बवाल मचा हुआ है. सोनहत में रावण दहन के कार्यक्रम के दौरान मंच से लोगों को संबोधित करते हुए विधायक रेणुका सिंह ने कहा था कि सरकार में भी रावण है. इस बयान का पूर्व डिप्टी सीएम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव ने समर्थन किया है. टीएस सिंहदेव ने कहा कि रेणुका सिंह जिस बात को कह रही हैं वह उस परिपेक्ष में एकदम सही है कि अच्छाई और बुराई हम सभी में है. प्रभु राम और रावण का एक समयकाल था वह तो समाप्त हुआ फिर आज क्या है, प्रासंगिक हमारे अंदर की अच्छाई और बुराई है, जिसमें लगातार संघर्ष बना रहता है. सिंहदेव ने कहा, हर व्यक्ति अपने बुराई के ऊपर जीत हासिल करने के लिए प्रयास करता होगा, ऐसा हम सब मानते हैं. इस परिपेक्ष में रेणुका सिंह ने कहा है जो बिलकुल सही है. गुण और अवगुण हर जगह विद्यमान है, वह चाहे शासन हो या समाज. रेणुका सिंह ने व्यापक दृष्टिकोण लेकर बात कही है।

कुलियों की दयनीय स्थिति के संबंध में पत्रकारवार्ता

रायपुर। आपको रेल्वे लायसेंसी पोर्टर्स मजदूर सहकारी संस्था मर्यादित, रायपुर आपको अवगत कराना चाहता है कि रेल्वे में आधुनिकीकरण और निजीकरण के कारण कुलियों के सामने आजीविका का भीषण संकट खड़ा हो गया है। आज हालात यह है कि इस महंगाई में कुली अपनी कम आमदनी के कारण अपने परिवार की जीविका नहीं चला पा रहे हैं। रेल्वे द्वारा कुलियों की सामाजिक सुरक्षा के लिये जो आदेश निर्गत किये गये थे, जैसे उनके बच्चों को रेल्वे के विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा देना, उनके परिवार के मुफ्त इलाज की व्यवस्था करना, साल में चार वर्दी प्रदान करना और उनको रेल्वे में आधुनिक सुविधा युक्त विश्रामालय देना। वह भी अभी तक जमीनी स्तर पर लागू नहीं किये गये हैं। हालत यह है कि रायपुर डिवीजन में कुलियों के रहने के बावजूद एवं रायपुर मंडल के स्टेशनों पर बैटरी चालित कार नि:शुल्क सेवा के रहते हुए भी रेल्वे द्वारा ठेकादारी (निविदा) में सामान ढोने का काम बैटरी संचालित कार एक प्राइवेट कंपनी को प्रत्येक यात्री 50/- रुपये और प्रत्येक लगेज 30/- में दिया गया है, ऐसी स्थिति में कुलियों के सामने आजीविका का भीषण संकट खड़ा हो जायेगा, स्वभावत: यह कुलियों की अजीविका का हनन है। विदित हो कि रेल्वे लायसेंसी पोर्टर्स मजदूर सहकारी संस्था मर्यादित, रायपुर द्वारा 22.09.2025 को श्रीमान मंडल रेल प्रबंधक महोदय को ज्ञापन दिया था, जिसमें उन्होंने आश्वस्त किया कि आपके हितों का ध्यान रखा जायेगा, किन्तु कुछ घण्टों बाद श्रीमान वाणिज्य रेल प्रबंधक महोदय ने हमें अपने आवास में बुलाकर दबावपूर्ण तरीके से जानकारी दी कि चाहे सुप्रीम कोर्ट हो या प्रधानमंत्री, इस निविदा को कोई निरस्त नहीं कर सकता ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राष्ट्रीय मछुवारा जागरूकता सम्मेलन में हुए शामिल

सामाजिक विकास का मूलमंत्र है शिक्षा शिक्षा के बिना है जीवन अधूरा-सीएम..

■ मछुआ समाज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार

रायपुर/ संवाददाता

शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा केवल नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि सफल जीवन का मार्ग है। सामाजिक विकास का मूलमंत्र शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र — हर क्षेत्र में सफलता के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय मछुवारा जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रारंभ से ही राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य गठन के समय जहां केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। इसी तरह हमने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान जैसे आईआईटी, ट्रिपल-आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स और सिपेट जैसे संस्थान छत्तीसगढ़ में स्थापित किए हैं, जिनका लाभ राज्य के स्थानीय विद्यार्थियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में नालंदा परिसर के निर्माण का कार्य चल रहा है, जिससे युवाओं को दिशा और अवसर दोनों मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाज को संगठित होने की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज से ही राष्ट्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी समाज के विकास में बाधक है और इस बुराई से दूर रहना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने समाज से नशा मुक्ति का संकल्प लेने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने मत्स्य संपदा योजना प्रारंभ की, जो मछुआरों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध हुई है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में गंगरेल बांध ठेका प्रथा को समाप्त कर पुन: डुबान क्षेत्रों के किसानों को मत्स्य पालन की अनुमति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार मछुआ समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनेक योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। प्रदेश का पहला एक्वा पार्क हसदेव बांगो जलाशय में लगभग ?37 करोड़ की लागत से निर्मित किया जा रहा है। यह एक्वा पार्क मछली उत्पादन, प्रोसेसिंग, निर्यात और टूरिज़्म— इन चारों क्षेत्रों में नए अवसर सृजित करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में यहाँ 800 केजों में मत्स्य पालन किया जा रहा है, जिससे अनेक पंचायतों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे मछुआ भाइयों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय मछुवारा संघ के सभी पदाधिकारियों और देशभर से पधारे मेहनतकश मछुआ भाइयों-बहनों को राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने कहा कि निषाद समाज का गौरवशाली इतिहास और परंपरा रही है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की नई नीति तैयार,एक नवंबर से होगी शुरुआत

■ किसानों को डिजिटल टोकन और मिलर्स को अतिरिक्त समय मिलेगा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए नई धान खरीदी और कस्टम मिलिंग नीति तैयार कर ली है। यह नीति जल्द ही राज्य की कैबिनेट बैठक में मंजूरी के लिए पेश की जाएगी। मंजूरी मिलने के बाद इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया 1 नवंबर से आरंभ होने की संभावना है। सरकार इस बार व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और आसान बनाने की दिशा में कदम उठा रही है। अब किसानों को टोकन लेने के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। सरकार की ओर से विकसित तुहर ऐप के जरिए किसान ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे। टोकन के आधार पर तय तिथि पर किसान आसानी से धान बिक्री केंद्र में धान बेच सकेंगे। जिन किसानों के पास 2 से 10 एकड़ तक की जमीन है, उन्हें धान बेचने का पहला अवसर मिलेगा। यह कदम छोटे किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में उठाया गया है। अब मिलर्स को डिलीवरी ऑर्डर मिलने के बाद धान उठाने के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक क्विंटल धान की मिलिंग पर 80 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। जिन सहकारी सोसाइटियों में खरीदे गए धान में सूखत (नमी की कमी) बिल्कुल नहीं होगी, उन्हें 5 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। पिछले साल यह बोनस रोका गया था, लेकिन इस बार इसे दोबारा लागू किया जा रहा है। राज्य सरकार ने पहले उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई थी, लेकिन अब जानकारी मिल रही है कि नई केंद्रों की स्थापना फ्लिहाल नहीं होगी। इससे दूर-दराज़ के किसानों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

जीएसटी में कटौती दीपावली की खरीददारी कर रहे लोग...

■ दुपहिया एवं कार इलेक्ट्रानिक समान, मोबाइल खरीदने के लिए लोग सक्रिय

■ वस्तु और सेवाकर कटौती से भारत में 10 वर्षों में सबसे अधिक नवरात्रि के समय पर बिक्री

रायपुर। संवाददाता

देश में जीएसटी में कटौती किए जाने के पश्चात समाज में दीपावली के पहले लोग दीपावली मना रहे हैं। राजधानी रायपुर सहित देश में थार, मारूति सुजुकी, होण्डई, एसयूबी सहित दुपहिया वाहन, इलेक्ट्रानिक समान सहित अन्य वस्तुएं सस्ती हो गई है। जिसके कारण लोग इस समय जमकर खरीददारी कर रहे हैं। राजधानी रायपुर सहित अन्य स्थानों में जीएसटी की कटोती किए जाने के पश्चात इलेक्ट्रानिक आईटम तथा अन्य वाहनों में रेट कम हो गया है, जिसके कारण लोग खरीददारी कर रहे हैं। इस समय मोबाइल की खरीददारी जमकर हो रही है, एपो, नोकिया, समसंग के नए मॉडल प्रो-17 की डिमांड बढ़ती जा रही है, रायपुर के रवि भवन, पटवा भवन सहित कपड़ा बाजार सहित अन्य स्थानों विक्री धड़ल्ले से हो रही है। भारत की उपभोक्ता अर्थव्यवस्था ने एक दशक से भी अधिक समय में अपनी सबसे अधिक नवरात्रि के अवसर पर बिक्री दर्ज की, जो मोदी सरकार के अगली पीढी के वस्तु और सेवाकर (जीएसटी) सुधारों से प्रेरित है। इन सुधारों में कर दरों को कम किया गया और उत्पादों को अधिक सुलभ बनाया।

राज्यपाल ने पीएम जनमन आवास हितग्राही को सौंपी चाबी

टाटीबंध के पास रोका

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम को पुलिस ने किया नजर बंद..

■ अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने जा रहे थे,

रायपुर/ संवाददाता

पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर को नजरबंद किया है। वो अपने ही सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने जा रहे थे। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने उन्हें एम्स के पास टाटीबंध में उनके एक रिश्तेदार के यहां उन्हें रोक लिया। वो सीएम-हाउस के बाहर धरने पर बैठने वाले थे। पूर्व गृहमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर कोरबा जिला कलेक्टर को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। वे धरने पर बैठने के लिए शनिवार को रायपुर पहुंच गए थे। रायपुर पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर को नजरबंद किया है। वो अपने ही सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने जा रहे थे। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने उन्हें एम्स के पास रोक लिया। वो सीएम-हाउस के बाहर धरने पर बैठने वाले थे। उनके साथ सैकड़ों समर्थक यहां पहुंचे हुए थे। समर्थकों की तलाश पुलिस कर रही है। पूर्व गृहमंत्री कंवर ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ14 बिंदुओं पर शिकायत कर राज्य सरकार से उन्हें हटाने की मांग की थी।

दो भाइयों के बीच हुआ विवाद हमलावरों ने किया हमला.....

रायपुर। जिले के दशरमा रोड क्षेत्र में 3 अक्टूबर की रात एक व्यक्ति ने मारपीट और जान से मारने की धमकी की गंभीर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना में शामिल आरोपियों ने गाली-गलौच के साथ-साथ खपरा उठाकर हमला किया, जिससे पीड़ित को सिर और कान में चोटें आई हैं। घटना के संबंध में पीड़ित ने बताया कि वह दशरमा रोड बलौदाबाजार का निवासी है और रोजी-मजदूरी का काम करता है। दिनांक 03.10.2025 की रात्रि लगभग 9:30 बजे वह धन्नु ठेला के पास गया और अपने भाई पवन नवरंगे को आवाज देकर बुलाया। इस दौरान उसके भाई के साथ मनोज बंजारे, अशोक बंजारे और उनके साथी भी उपस्थित हो गए। पीड़ित ने बताया कि उसने अपने भाई से कहा कि घर में बहन लोग आए हैं और चलो खाना खा लें। इस पर मनोज बंजारे, अशोक बंजारे और उनके साथी नाराज हो गए और आरोप लगाया कि वह अपने भाई को खाना खिलाने ले जा रहा है और उन्हें बुला नहीं रहा है। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौच शुरू कर दी और पीड़ित के प्रति अश्लील गालियों का प्रयोग किया। जब पीड़ित ने गाली-गलौच करने से मना किया, तो आरोपियों ने एक साथ मिलकर उसे धमकी दी कि वे उसे जान से मार देंगे।

भारत को बदलते वैश्विक परिदृश्य के लिए तैयार रहना होगा:माधव...

रायपुर। संवाददाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, चिंतक और लेखक राम माधव ने कहा है कि विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है और भारत को इस नए दौर के अनुरूप खुद को ढालना होगा। वे छत्तीसगढ़ में आयोजित एक विशेष व्याख्यान में अपनी पुस्तक 'द न्यू वर्ल्ड 21 सेंचुरी ग्लोबल ऑर्डर एंड इंडिया' पर बोल रहे थे। यह कार्यक्रम साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद और छत्तीसगढ़ यंग थिंकर्स फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। राम माधव ने कहा कि दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति में प्रवेश कर चुकी है, जिसकी नींव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर टिकी है। उन्होंने कहा, विज्ञान और तकनीक ने हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया है। हम एक ऐसे युग में हैं, जहां मेटा-ह्यूमन जैसी अवधारणाएं हकीकत बन रही हैं। भविष्य में रोबोट शिक्षक कक्षा में पढ़ाएंगे और वर्चुअल क्लासरूम आम बात होगी। उन्होंने भारत और चीन की तुलना करते हुए बताया कि 1980 में दोनों देशों की लगभग समान थी, लेकिन चीन ने तेज़ी से आर्थिक विकास करते हुए भारत से आगे निकल गया। उन्होंने कहा कि भारत को 21वीं सदी में अपनी भूमिका तय करने के लिए तकनीकी नवाचार, दीर्घकालिक रणनीति और आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देना होगा। राम माधव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन का जिक्र करते हुए कहा कि हमें यह स्पष्ट रूप से समझना होगा कि 2047 का भारत कैसा होगा।

राज्यपाल रमेन डेका बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर पहुंचे

घटगांव में राज्यपाल रमेन ने पहाड़ी कोरवा समुदाय से किया संवाद

रायपुर/ संवाददाता

एक साधारण से पहाड़ी कोरवा ग्राम घटगांव में आज का दिन असाधारण बन गया, जब राज्यपाल श्री रमेन डेका वहां पहुंचे। ग्राम घटगांव में राज्यपाल का आगमन ग्रामीणों के लिए गर्व और उत्साह का अवसर बन गया। ग्रामीणों ने पारंपरिक परिधान पहनकर कर्मा नृत्य के माध्यम से उनका आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल श्री डेका ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर के इस पहाड़ी कोरवा ग्राम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय उत्पादों बांस से बने हस्तशिल्प, वन औषधियाँ और स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार सामग्रियों की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत संचालित आजीविका गतिविधियों, कृषि कार्यों तथा योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान कार्ड, ऋण पुस्तिका, टीबी मरीजों को पोषण किट तथा महिला स्व-सहायता समूहों को स्वीकृत ऋण के चेक प्रदान किया। राज्यपाल श्री डेका ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य पीएम जनमन योजना अंतर्गत पहाड़ी कोरवा परिवारों को लाभान्वित कर रहा है। राज्यपाल श्री डेका ने पहाड़ी कोरवा परिवारों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और शासन की योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। समूह की स्व-सहायता समूह की दीदियों ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद वे आजीविका संवर्धन कर आय के स्रोत बढ़ा रही हैं और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। इस दौरान राज्यपाल श्री डेका ने समूह की दीदियों को सुझाव दिया कि अपने साथ और अधिक

लोगों को स्व-सहायता समूह में जोड़ें और आजीविका के अवसर बढ़ाएं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ 25 वर्षों की विकास यात्रा में एक उभरते हुए राज्य के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य खनिज संपदा से समृद्ध है और यहाँ के लोग मेहनती, सेवा-भावी हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी कोरवा परिवारों की मेहनत और सादगी प्रदेश की पहचान है। उन्होंने बांस उत्पादन और उसके वैल्यू एडिशन को आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बताया तथा पहाड़ी कोरवाओं को बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव बनाए रखने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहकर शिक्षा और आजीविका पर ध्यान देने से जीवन में स्थिरता आएगी। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने पहाड़ी कोरवा परिवारों को विभागीय योजना अंतर्गत सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में सरगुजा के सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायक श्रीमती उधेश्वरी पैकरा, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा श्री दीपक झा, कलेक्टर सरगुजा श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री वैभव बैंकर रमनलाल, पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

संपादकीय

अक्खी दुनिया एक तरफ, मेरा इंडिया एक तरफ

एशिया कप 2025 के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 9वीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीत ली है। लेकिन इस जीत से ज्यादा टीम इंडिया का ट्रॉफी लेने से इनकार करना चर्चा का विषय बन गया। राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय टीम ने एसीसी के चेयरमैन और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया। इस घटना के बाद भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का एक इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हो गया। इसमें वह एक चाय के कप के साथ पोज देते हुए पाकिस्तान का मजाक उड़ा रहे थे। यह पोस्ट और अन्य भारतीय खिलाड़ियों के हावभाव ने खूब सुर्खियां बटोर रही है। इस वक्त दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बहुत ज्यादा है। इसी वजह से टीम इंडिया ने एसीसी के चेयरमैन और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन शुरू होने में देरी हुई। इसके बावजूद टीम इंडिया अपने फैसले पर अड़ी रही। नतीजतन नकवी विजेता ट्रॉफी और मेडल अपने होटल वापस ले गए। पाकिस्तान की परेशानी यहीं खत्म नहीं हुई। कई भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसे हावभाव दिखाए और बयान दिए जो सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गए। लेकिन स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का इंस्टाग्राम पोस्ट सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। यह पोस्ट टीम की जीत का जश्न मना रहा था। चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं। इनमें टीम इंडिया को एक काल्पनिक ट्रॉफी के साथ जीत का जश्न मनाते देखा गया। एक तस्वीर में स्पिनर अपने बिस्तर पर लेटे हुए थे। वह एक चाय के कप के साथ पोज दे रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे वह कप ही जीतने वाली ट्रॉफी हो। अक्खा दुनिया एक तरफ, और मेरा इंडिया एक तरफ। जय हिंद। चक्रवर्ती ने फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारी ड्रामे के बीच टीम इंडिया ने जीत का जश्न मनाया। भारतीय टीम का ये जश्न देखने लायक था, क्योंकि खिलाड़ियों ने बिना ट्रॉफी के पाकिस्तानियों की छाती पर तांडव कर दिया। दरअसल टीम इंडिया के चैंपियन बनने के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ मोहसिन नकवी एशिया कप की ट्रॉफी और मेडल अपने साथ लेकर वापस चले गए। कप्तान बिना ट्रॉफी लिए रोहित शर्मा के अंदाज में स्टेज पर चढ़े और चैंपियन की तरह एक्ट किया। फिर क्या था टीम इंडिया के इस जश्न का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।ऐसे में भारतीय टीम के ने ये तय कर लिया है कि अगर वह फाइनल में पहुंचती है और चैंपियन बनती है तो वह पाकिस्तान के ही एसीसी चीफ मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी नहीं लेंगे।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिन्ताजनक है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंक दिया। आमतौर पर बेहद शांत रहने वाले लद्दाख के लिए यह बहुत बड़ी घटना है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। इस हिंसा ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं।

संवाद से समाधान तक- लेह-लद्दाख में हिंसा का सबक

(ललित गर्ग)

सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिन्ताजनक है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंक दिया। आमतौर पर बेहद शांत रहने वाले लद्दाख के लिए यह बहुत बड़ी घटना है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। इस हिंसा ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर यह घटना वहाँ की जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर यह संकेत देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं?

सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति और स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएँ बढ़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम वांगचुक को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा, जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया। हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अपना अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का मेरा संदेश आज विफल हो गया। अगर युवा गलत रास्ते पर जाएंगे, तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जायेंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों को कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना एक नये सूरज का उदय होना है और इसका वहां के लोगों ने स्वागत भी किया था। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से

मुक्ति मिली थी, पर वहां के लोगों की महत्वाकांक्षा को राजनीति रंग देकर एवं संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के अंधेरों में धकेल कर इसके वास्तविक उद्देश्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा की गई है।

हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। मीडिया माध्यमों से कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी 6 अक्टूबर, 2025 को एक वार्ता का दौर निर्धारित था, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल होने वाले हैं। जब बातचीत होने ही वाली है, तो ऐसे विरोध प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। वास्तव में, यह पूरा आंदोलन राजनीतिक प्रवृत्ति का है। इस प्रदर्शन को साफ तौर पर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। कहा जा रहा है कि ताजा विरोध-प्रदर्शन केन्द्र से बातचीत को अनुकूल दिशा में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है।

लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। साथ ही उनकी यह भी माँग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए जिससे उनकी भूमि, संसाधन, परंपराएँ और रोजगार सुरक्षित रहें। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने इस असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। लगातार समितियाँ बनीं, बातचीत हुई, आश्वासन दिए गए, लेकिन जब ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो लोगों के भीतर अविश्वास बढ़ा। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है।

आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है। लोग यह महसूस करने लगे कि उनकी जान-माल की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। लद्दाख की जनता के भीतर असुरक्षा की भावना इसलिए भी है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी भूमि और संसाधनों पर बाहरी दखल बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासनिक संस्थाएँ जैसे हिल डेवलपमेंट काउंसिल्स कमजोर कर दी गई हैं और महत्वपूर्ण फैसले केंद्र के हाथ में केंद्रित हो गए हैं। इससे यह भावना गहराती है कि स्थानीय समाज की आवाज़ को दबाया जा रहा है। जब लंबे समय तक विश्वास और संवाद की कमी बनी रहती है तो जनता के धैर्य का बाँध टूट जाता है। यह सिर्फ राज्य का दर्जा पाने की माँग नहीं है बल्कि यह आत्म-नियंत्रण, पहचान और न्याय पाने की जद्दोजहद है।

लद्दाख की जनता यह चाहती है कि उनके अधिकारों को संवैधानिक गारंटी मिले, उनके संसाधनों की सुरक्षा हो और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि सरकार ने पहले जो आश्वासन दिए थे, उन्हें समयबद्ध और स्पष्ट तरीके से लागू कर दिया जाता तो शायद स्थिति यहाँ तक न पहुँचती। आज जरूरत इस बात की है कि सरकार संवाद और विश्वास बहाली की दिशा में ठोस कदम उठाए। संवैधानिक गारंटी देकर, स्थानीय प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाकर, रोजगार और शिक्षा की योजनाओं को मजबूती देकर ही इस असंतोष को शांत किया जा सकता है। लद्दाख की जनता को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके हित सुरक्षित हैं, तभी हिंसा और आक्रोश का माहौल शांति और भरोसे में बदला जा सकेगा। लोगों में यह विश्वास पैदा करना जरूरी है कि फैसलों में लद्दाख के हितों का ख्याल रखा जाएगा। इसका सबसे बेहतर तरीका है पारदर्शिता। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि सरकार के लिए हर मांग मानना और तुरंत मानना संभव नहीं होता। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कन्या पूजन के दिन बिल्कुल भी ना करें ये गलती, माता रानी हो सकती हैं नाराज

(सुषमा कुमारी)।

शारदीय नवरात्रि का पर्व 22 सितंबर से शुरू हो चुका है। इस दौरान मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। वहीं, नवरात्रि की अष्टमी और नवमी तिथि को विशेष रूप से कन्या पूजन किया जाता है। इस दिन भक्त नौ कन्याओं और एक बालक को भोजन कराते हैं। इसे देवी दुर्गा की पूजा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। लेकिन कन्या पूजन में कुछ नियमों का पालन करना बहुत जरूरी माना जाता है। क्योंकि छोटी-सी भी गलती करने पर इस व्रत का फल अधूरा रह सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कन्या पूजन के दौरान किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

स्वच्छ स्थान पर भोजन कराएं

कन्या पूजन के दिन सबसे पहला नियम है कि भोजन हमेशा साफ-सुथरे स्थान पर करवाना चाहिए। कन्याओं को बैठाने से पहले जगह पूरी तरह स्वच्छ होनी चाहिए। साथ ही कन्याओं के चरणों को पानी से धोकर ही भोजन कराना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

सात्विक भोजन करवाएं

कन्या पूजन में भोजन सात्विक होना चाहिए। इसका मतलब है कि इसमें प्याज, लहसुन या किसी भी प्रकार के तामसिक भोजन का प्रयोग नहीं होना चाहिए। कन्याओं और बालक को हलवा, पूरी, चने और सब्जी खिलाना चाहिए। इससे पूजा का महत्व बढ़ता है और व्रत का फल मिलता है।

कन्याओं का अपमान न करें

कन्या पूजन के दौरान कई बार छोटे बालक या कन्याएं शरारत कर सकती हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उनका अपमान किया जाए। इस दिन आपको हमेशा धैर्य और प्रेम के साथ उनका सम्मान करना चाहिए। क्रोध या कठोर व्यवहार व्रत की पूजा में बाधा डाल सकता है। इसलिए पूजा के समय हमेशा शांति और आदर बनाए रखना जरूरी है।

काले कपड़े न पहनें और न दें

कन्या पूजन के दौरान काले वस्त्र पहनना अशुभ माना जाता है। न केवल पूजा करने वाले को बल्कि कन्याओं को भी काले कपड़े गिफ्ट में नहीं देने चाहिए। हिंदू धर्म में काले रंग को नकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा जाता है, इसलिए इसे पूजा में शामिल करना वर्जित है।

दक्षिणा देना अनिवार्य

कन्या पूजन के बाद दक्षिणा देना एक अनिवार्य माना जाता है। दक्षिणा केवल एक रस्म नहीं है, बल्कि यह कन्याओं के प्रति सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक है। आप दक्षिणा के साथ उन्हें उपहार भी दे सकते हैं।

एक अक्टूबर अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस बेकार, बेकाम नहीं हैं हमारे वृद्धजन

प्रो. मनोज कुमार

सक्सेना जी पीएचई विभाग में चीफ इंजीनियर के पद से रिटायर हुए हैं. किसी समय उनकी तूती बोला करती थी लेकिन उम्र के आखिरी पड़ाव में ना केवल वे अकेले हैं बल्कि वृद्धाश्रम का एक कोना उनका बसेरा बन गया है. कभी करोड़ों का मामला सुलटाने वाले अग्रवाल दंपति की कहानी भी यही है. गणित और अंग्रेजी के प्रोफेसर रहे द्विवेदी दंपति भी उम्र के आखिरी पड़ाव पर वृद्धाश्रम में रह रहे हैं. ये वे लोग हैं जिनकी काबिलियत और अनुभवों से समाज रोशन होता था. उनके अपने बच्चे आज किसी मुकम्मल मुकाम पर हैं तो उनकी शागिर्दी का ही सहारा था. जिन्हें आप माता-पिता कहते हैं, वे शागिर्द आज वृद्धाश्रम में बिसूर रहे हैं. निराश और हताश भी हैं. ये दो चार लोग नहीं बल्कि वृद्धजनों की पूरी टोली है. आपस में बतिया लेते हैं और वृद्धाश्रम के दरवाजे पर टकटकी लगाये देखते हैं कि कहीं बहू-बेटा तो लेने नहीं आए? पोता-पोती की सूरत याद कर हौले से मुस्करा देते हैं लेकिन गोद में उठाकर लाड़ ना कर पाने की हसरत उनके चेहरे पर मायूसी बनकर उभर आती है. यह कहानी घर-घर की होती जा रही है. थोड़ा पैसा, थोड़ा रसूख कमाने के साथ ही वृद्धजन बोझ बनने लगते हैं. और जल्द ही तलाश कर लेते हैं उनके लिए वृद्धाश्रम का कोई कोना. पहले पहल आना-जाना भी होता है लेकिन धीरे-धीरे वह भी भुला दिया जाता है. संस्कारों में रची-बसी भारतीय संस्कृति का यह दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय है. इन पर लिखते हुए मैं भी एक गलती कर रहा हूँ क्यों एक दिन वृद्धजन दिवस पर लिख रहा हूँ. क्यों साल में बार-बार इस बात का स्मरण नहीं कराता हूँ. सच है लेकिन यह दिन इसलिए चुना कि आज अंतरराष्ट्रीय दिवस वृद्धजन के बहाने लोग पढ़ तो लेंगे. खास बात यह है कि हमारे वृद्धजन लिए नहीं बल्कि बाजार का दिन है. उम्र भर लतियाते वृद्धजनों का ऐसा सम्मान किया जाएगा कि लगेगा कि कुछ हुआ ही नहीं. इसी दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय की चर्चा कर रहा हूँ.

क्या ही हैरानी की बात है कि जिनसे हम रौशन हैं, जिनसे हमारा घर रौशन है, उनके लिए हमने एक दिन तय कर दिया है और नाम दे दिया है वृद्धजन दिवस. और इसका फलक बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय कर दिया है. यूरोप की मानसिकता में वृद्धजन के लिए यह सौफीसदी मुफीद हो सकता है लेकिन भारतीय सनातनी संस्कृति में वृद्धजन बेकार और बेकाम नहीं हैं लेकिन दुर्भाग्य से हमने भी यूरोपियन संस्कृति का अंधानुकरण कर उन्हें बेकार और बेकाम मान लिया है. उम्र के आखिरी पड़ाव में ठहरे वृद्धजनों के पास अनुभव है, कौशल है और है दुनियादारी की वह समझ लेकिन वे निहायत अकेले होकर वृद्धाश्रम में अपना समय गुजार रहे हैं. कितनी विडम्बना है कि एक तरफ हम सनातनी होने और संस्कार की दुहाई देते नहीं थकते और दूसरी ओर वृद्धजन की उपेक्षा और तिरस्कृत करने में पीछे नहीं हटते. आखिर क्या मजबूरी हो गई कि जिनकी छाँह में पलकर हम बढ़े हुए, वही हमारे लिए बोझ बन गए? क्यों हम उनके अनुभवों का लाभ लेकर जीवन को संवार नहीं पा रहे हैं? क्या कारण है कि उन्हें साथ रखते हुए कथित प्रायवेसी में बाधा आ रही है? सवाल अनेक हैं लेकिन सवालों के बीच अपने दुख और अहसास के बीच घुटते-घबराते वृद्धजनों की सुध कौन लेगा? क्या वृद्धाश्रम ही अंतिम विकल्प है.

वृद्धजनों को घर से बाहर निकाल देना, उनके साथ शारीरिक हिंसा करना और उन्हें अपमानित करने की खबरें अब रोजमर्रा की हो गई हैं. संवेदहीन होते समाज में वृद्धजन दिवस बाजार के लिए एक दिन है. वृद्धजनों को उत्पाद

बना दिया जाएगा. दरअसल बाजार से बाहर आकर इन वृद्धजनों के टैलेंट का उपयोग करना होगा. परिवार के नालायक बच्चों ने वृद्धजनों को वृद्धाश्रम में भेज दिया है तो समाज का, सरकार का दायित्व है कि उन्हें मुख्यधारा में लाकर उनकी ना केवल प्रतिभा का सम्मान करे बल्कि उन्हें सम्मानपूर्वक जीने का हौसला दे. देशभर के शासकीय स्कूलों की हालत एक जैसी है. शिक्षकों की कमी है तो इस कमी को इन वृद्धजनों से पूरा क्यों नहीं किया जा सकता है? इन्हें स्कूलों में अध्यापन का अवसर दिया जाए और बदले में सम्मानजनक मानदेय. ऐसा करने से उनके भीतर का खोया आत्मविश्वास लौटेगा. वे स्वयं को सुरक्षित और उपयोगी समझेंगे तो डॉक्टर और दवा से उनकी दूरी बन जाएगी. एक बेटे, पोते-पोती की कमी को दूर कर सकेंगे. स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता आएगी. आखिरकार अनुभव अनमोल होता है.

कुछ वृद्धजन गणित, विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी और अन्य विषयों के जानकार हों लेकिन कुछ वृद्धजन ऐसे होंगे जो विषयों के सिद्धहस्त ना हों लेकिन दूसरी विधा के जानकार हों, उन्हें कौशल विकास के कार्यों में नई पीढ़ी को दक्ष करने के कार्य में उपयोग किया जाना चाहिए. वृद्धाश्रम के भीतर ही कौशल उन्नयन की कक्षा आयोजित कर उत्सुक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे सीख सकें. अध्यापन का कार्य हो या कौशल उन्नयन का. ज्यादा कुछ नहीं तो वृद्धाश्रम के भीतर ही हम विविध विषयों की साप्ताहिक कोचिंग कक्षा के संचालन की शुरूआत कर सकते हैं. जिसमें विषय की शिक्षा तो होगी ही, विविध कलाओं की कक्षाएं भी होंगी. जो जिस विधा में पारंगत है, वे उसमें सक्रिय हो जाएंगे. इन गतिविधियों में वृद्धजनों का जुड़ाव होगा तो वे वापस स्वस्थ्य और प्रसन्न हो जाएंगे. जिंदगी के प्रति उनका अनुराग बढ़ जाएगा. हौसला बढ़ेगा तो वे दवा से दूर हो जाएंगे.

बस, थोड़ा सा हमें उनके प्रति मेहनत करना है. थोड़ा सा साहस देना है. परिवार से टूटे लोग शरीर से ज्यादा मन से टूट जाते हैं और मन से टूटे को जोडऩा आसान नहीं होता लेकिन मुश्किल कुछ भी नहीं है. दो को खड़ा कीजिए, दस अन्य स्वयं सामने आ जाएंगे. इसमें जेंडर का कोई भेद नहीं हैं. वृद्धजनों का अर्थ माता और पिता दोनों ही हैं और दोनों ही अपने बच्चों से सताये हुए हैं. इस बार वृद्धजन दिवस पर हमें, हम सबको संकल्प लेना होगा कि अबकी बार वे वृद्धाश्रम में नहीं, कौशल की पाठशाला में रह रहे होंगे. वृद्धाश्रम को कौशल की पाठशाला में परिवर्तन ही भारतीय संस्कृति की ओर वापसी का पहला कदम होगा. नालायक बच्चों के लिए यह एक पाठ होगा कि उन्होंने कौन सा अनमोल हीरा गंवा दिया है. बाजार को अपना काम करने दीजिए, हम सब अपना काम करेंगे. एक बार कोशिश तो करके देखिए. (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

मैनपुर दशहरा में पहुंचा सीएम योगी का डुप्लीकेट, देखने उमड़ी हजारों की भीड

बस्तर संभाग के सबसे अनोखे दशहरे में दिखती है आकर्षक झांकियां, मैनपुर दशहरा में बड़े बड़े झांकी रहे आकर्षण का केंद्र

कोण्डागांव। जिले के फरसगांव ब्लॉक अंतर्गत सुदूरवर्ती ग्राम मैनपुर गांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शनिवार को अनोखे अंदाज में दशहरा पर्व मनाया गया, आपको बतादे पुरे देश भर में इस साल 02 अक्टूबर को दशहरा मनाया गया था, लेकिन ग्राम मैनपुर में तीन बाद दशहरा मनाया गया। जहां गाड़ियों को बड़े-बड़े झांकी के रूप में रॉकेट, हेलीकाप्टर, डायनासोर, राज हंस, बिच्छू, बतख के बड़े आकर बनाकर सजाया गया था। पिछले दो वर्ष पीएम मोदी का डुप्लीकेट दिखाया गया था वहीं इस वर्ष यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के डुप्लीकेट ने प्रदर्शन किया, जिसे देखने हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी पड़ी। झांकीयों के भव्य रूप से दशहरा मनाने की प्रक्रिया 20 साल पहले से शुरू हुई है जो निरंतर अभी भी चली आ रही है। रामलीला के बाद शाम लगभग 5:30 बजे रावण के पुतले का दहन किया गया।

हर बार दर्शकों को दिखाई देती नई झलक

ग्राम पंचायत मैनपुर दशहरा समिति के पुराने सदस्य सुकलू राम साहू ने बताया इस तरह दशहरा मनाने का शिलशीला 20 साल पहले शुरू हुआ, जिसके वह पहले कलाकार थे जिन्होंने नवाचार करते हुए झांकी के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया करते थे धीरे-धीरे अब ग्राम पंचायत मैनपुर दशहरा समिति के युवा सदस्य नई सोच के साथ अलग अलग झांकी तैयार करते है, हर साल कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए समिति के सदस्य 10-12 दिन पहले से झांकी प्रदर्शन की तैयारियो में जुट जाते है। दर्शकों को हर बार कुछ नया देखने मिले उसके लिए झांकी तैयार किए जाते है। दर्शकों को हर साल झांकियों की झलक देखने को मिलता है।

तीन जिलों के सरहद में बसा है मैनपुर

वहीं ग्राम पंचायत मैनपुर दशहरा समिति के सदस्य व ग्रामीणों ने बताया हमारा गांव तीन जिलों के सरहद पर बसा है हमारे गांव में कोई मंत्री नहीं आया है और न ही किसी विभाग के बड़े अधिकारी ने दशतक दी है, जिस कारण से शासन प्रशासन की अनदेखी के कारण हमारा गांव बहुत सी मुलभूत सुविधायों से अछूता है, शासन प्रशासन से कोई मंत्री अधिकारी नहीं आते है इसी कमियों को पूरा करने के लिए लोगों के मनोरंजन और जानकारी के लिए हमारे गांव में पिछले दो बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भेष में बहरूपिया को बुलाऐ थे, इस बार यूपी के मुख्यमंत्री योगी के भेष में एक बहरूपिया को योगी बनाकर हेलीकाप्टर झांकी बनाया, जिसमें पायलेट से लेकर एनएसजी गार्ड और पीएसओ गार्ड के बहरूपिये भी दशहरा में आकर्षण के केंद्र थे।

नहीं लगता है बाजार नहीं होता है मेला

ग्राम पंचायत मैनपुर के सरपंच झारीराम सलाम व ग्रामीणों ने कहा हमारे गांव में बाजार नहीं लगता है और ना ही मेला लगता है, पर दशहरा पर्व उत्साह के साथ मनाया जाता है जिसे देखने के लिए हजारों कि संख्या में भीड़ उमड़ पड़ती है, दशहरा के तीसरे दशहरा मनाने का मुख्य कारण यह है की दशहरा पर जगह जगह रावण के पुतले का दहन होता है सभी अपने गांव में दशहरा उत्सव मनाते है जिसके कारण भीड़ कम होता है, तीसरे दिन करने से क्षेत्र के आसपास के लोग हमारे गांव के दशहरा में हजारों की संख्या में दर्शक शमील होते है। आये हुए दर्शकों को भरपुर मनोरंजन हो जिसके लिए नई सोच के साथ बड़े बड़े व आकर्षक झांकीयां तैयार करते है, दशहरा स्थल पर रामलीला मंचन करने वाले कलाकारो के आने के लिए झांकी नुमा रथ तैयार किया जाता है, जिसमें भगवान श्रीराम जी के लिए राज हंस, राजा रावण व उनके दल के लिए डरावने बिच्छू, डायनसोर, जैसे अलग अलग झांकी तैयार किया जाता है जिसे देखने हजारों कि संख्या में दर्शक उमड़ पड़ते, कोंडागांव जिले के साथ-साथ कांकेर और नरायण पुर से लोग दशहरा पर्व का आंनद लेने आते है।

दूसरे जिलों से भी पहुंचते है दर्शक

दूसरे जिले से दशहरा देखने आई दर्शक हेमलता यादव ने बताया वह मैनपुर दशहरा देखने पिछले तीन वर्षो से आ रही है. उन्होंने कहा दशहरा का पर्व सभी जगहों पर मनाया जाता है, लेकिन यहां अनोखे और आकर्षक तरिके से मनाया जाता है जो मन मोह लेता है, मैनपुर दशहरा देखने के लिए मन व्याकुल रहता है क्योंकि हर बार यहां कुछ नया देखने को मिलता है, इस बार वह अपने साथ अपने परिचितो को लेकर आई है। एक बार जो इस दशहरा को देख लेगा उसका मन बार बार आने को होगा।

तीन किमी तक लगा जाम, यातायात रहा बाधित

मैनपुर के अनोखे दशहरा को देखने आये हजारों की संख्या में दर्शकों से ट्रैफिक जाम हो गया था, दशहरा स्थल पहुंचने के लिए दर्शकों को लगभग 3 किमी रास्ते में जाम में फंस कर जाना पड़ा तब जा कर दशहरा स्थल पहुंचने, कई लोग तो अपनी दुपहिया और चार पहिया वाहनों को 2-3 किमी पहले ही पार्किंग कर आना पड़ा। कई दर्शकों ने तो ज्यादा दूरी तय कर दूसरे रास्ते से दशहरा स्थल पहुचे. वहीं बेनूर थाना पुलिस यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने में लगी थी।

आंगनबाड़ी भवन की बदहाल स्थिति पर शासन-प्रशासन मौन, बच्चों की ज़िंदगी खतरे में

देवभोग। ब्लॉक मुख्यालय अंतर्गत ग्राम मौहाभाठा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है जिस स्थान पर छोटे-छोटे बच्चे शिक्षा और पोषण के लिए जाते हैं, वहां बैठना तक मुश्किल हो गया है बरसात में भवन में पानी भर जाता है, छत टपकती है और बच्चे भीगने को मजबूर होते हैं स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों ने कई बार शासन-प्रशासन से मरम्मत और नवीन भवन निर्माण की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब सवाल यह उठता है कि क्या शासन किसी अप्रिय घटना का इंतजार कर रही है क्या ग्रामीणों को अपने बच्चों के लिए भी सड़क पर उतरकर आंदोलन करना पड़ेगा क्या इस भवन पर अधिकारियों की नजर नहीं पड़ती या जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है। यह विषय अब केवल विकास का नहीं, बल्कि नन्हें बच्चों की सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला है। शासन-प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए, अन्यथा जन आक्रोश की स्थिति निर्मित होगी।

भानुप्रतापपुर में पिछड़ा वर्ग स्थापना दिवस की तैयारी बैठक संपन्न

भानुप्रतापपुर। सर्व पिछड़ा समाज जिला उत्तर बस्तर कांकेर के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग समाज के बैनर तले प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय पिछड़ा वर्ग स्थापना दिवस महोत्सव सम्मेलन की तैयारी हेतु एक बृहद बैठक स्थानीय पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह भानुप्रतापपुर में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज का स्थापना दिवस इस वर्ष भी 17 अक्टूबर को भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आमंत्रित किए गए हैं और

वे इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष जगन्नाथ साहू संभागीय अध्यक्ष तरुण धाकड़, प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ शार्दुल, प्रदेश उपाध्यक्ष फूलनाथ दीवान, प्रदेश उपाध्यक्ष देवाल सोनवंशी, प्रवक्ता अरविंद जैन, मधेश्वर जैन (जिलाध्यक्ष सर्व पिछड़ा वर्ग समाज कांकेर), जिला अध्यक्ष कांकेर अशोक यादव, महासचिव जिला कांकेर एलिट सिंह, संगठन प्रभारी राजीव श्रीवास, जिला अध्यक्ष युवा प्रभाग राजेंद्र जैन, सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के वरिष्ठजनों ने अपने विचार रखे। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि पिछड़ा वर्ग समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, स्वरोजगार तथा वेब पोर्टल व अन्य संस्थानों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि समाज के प्रतिभाशाली छात्रों व उद्यमियों की पहचान कर उन्हें उचित मंच प्रदान किया जाए, जिससे समाज की प्रगति को नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर राजकुमार साहू, सत्कार पटेल, संतोष साहू, सोनीलाल जैन, जितेंद्र जायसवाल, मनीष योगी, परमानंद साहू, हरीश चक्रधारी, अजय साहू, मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत प्रधान, रामेश्वर जैन, वेद प्रकाश साहू, देव प्रकाश साहू, रामलाल साहू, दुर्गा प्रसाद जैन, दीपक गजेंद्र, चंद्र कुमार काटजारे, योगेश्वर सिंह ठाकुर, गदाधर विद्या, जिला अध्यक्ष बस्तर दयाराम, तुलसी साहू, रमेश दीवान (ब्लॉक अध्यक्ष भानुप्रतापपुर), ज्वाला प्रसाद जैन (ब्लॉक अध्यक्ष दुर्ग), कुंडल विजय पटेल, अशोक जैन सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उददेश्य आगामी स्थापना दिवस महोत्सव को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप प्रदान करना तथा समाज की एकजुटता को और अधिक मजबूत करना रहा।

देवभोग अम्लीपदर क्षेत्र में घुसने लगा ओड़िशा का धान

खरीदी शुरू होने से पहले ही तस्करी तेज

देवभोग। धान खरीदी की प्रक्रिया अभी शुरू भी नहीं हुई है, लेकिन उड़ीसा से अवैध रूप से धान की आमद देवभोग-अम्लीपदर क्षेत्र में तेज़ी से बढ़ गई है। सीमावर्ती इलाकों से रोज़ाना पिकअप और बड़े वाहनों के माध्यम से ओड़िशा का धान देवभोग और आसपास के व्यापारियों तक पहुँचाया जा रहा है सूत्रों के अनुसार, खुटगांव चेकपोस्ट से होकर प्रतिदिन धान से भरे वाहन छत्तीसगढ़ की सीमा पार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह धान स्थानीय गोदामों और कारोबारियों के पास जमा किया जा रहा है, ताकि जब सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू हो, तब इसे स्थानीय किसानों के नाम पर खपाया जा सके। खुटगांव, केंदूवन, अम्लीपदर, तेतलखुटी, कैंटपदर, खोखसरा, उसरीपानी, उरमाल, फलसापारा, भतराबहली, भरवामुड़ा, नागलदीह और धूपकोट, ओड़िशा बॉर्डर से सटे होने के कारण तस्करों को धान लाने-लेजाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती रात के समय इन इलाकों से वाहनों की आवाजाही आम बात हो गई

है जानकारों का कहना है कि इस तरह की अवैध गतिविधियाँ न केवल स्थानीय किसानों के हक़ पर डाका डाल रही हैं, बल्कि शासन की खरीदी व्यवस्था को भी प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में प्रशासन और खाद्य विभाग को सीमावर्ती इलाकों में सख्त निगरानी और नियमित जांच की ज़रूरत है, ताकि अंतरराज्यीय धान तस्करी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके देखना यह होगा कि प्रशासन कब इस बढ़ती तस्करी पर अंकुश लगाने में सफल होता है।

कांकेर जिले के मड़या में निरूल नाला पर स्टॉप डेम निर्माण को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

कांकेर। राज्य शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा कांकेर जिले के विकासखण्ड अंतागढ़ के मड़या स्थित निरूल नाला में फूलसिंग के खेत के पास स्टॉप डेम निर्माण कार्य हेतु दो करोड़ अस्सी लाख बासठ हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति अद्यतन अनुसूची में संशोधन दिनांक 08 अगस्त 2025 के आधार पर दी गई है। निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में जल संवर्धन, निस्तारी, पेयजल आपूर्ति तथा लगभग 35 हेक्टेयर खरीफक्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्थानीय कृषकों की कृषि उत्पादकता और आजीविका में वृद्धि होगी। योजना पर व्यय अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत लघु सिंचाई पर पूंजी परिव्यय शीर्ष से किया जाएगा। यह स्वीकृति वित्त एवं योजना विभाग के स्थायी वित्त निर्देश 15/2025 के अनुसार मंत्रीस्तरीय अनुमोदन प्राप्त कर दी गई है। कार्य की तकनीकी स्वीकृति सक्षम अधिकारी से प्राप्त करने के उपरांत ही निविदा आमंत्रित की जाएगी। निविदा प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी होगी तथा कम से कम 75 प्रतिशत बाधा-रहित भूमि उपलब्ध होने पर ही कार्य प्रारंभ किया

जाएगा। निर्माण की गुणवत्ता, मितव्ययिता एवं वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य अभियंता को कार्य की प्रगति पर नियंत्रण रखते हुए प्रशासकीय एवं वित्तीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह परियोजना क्षेत्रीय जल-संसाधन विकास और किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी, जिससे अंतागढ़ क्षेत्र में जलस्तर सुधार एवं कृषि विकास को बढ़ावा मिलेगा।

विधायक लता उसेंडी ने किया 12 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन

कोण्डागांव। विकास की राह पर कोण्डागांव तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में कोण्डागांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 12 करोड़ 52 लाख 88 हजार रुपये की लागत से बनने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण विधायक लता उसेंडी के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मालाकोट गांव से हुआ, जहां बड़ेपारा से किबाई बालेंगे पहुंच मार्ग 4.5 किमी लंबी सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। यह कार्य लगभग 667.57 लाख रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही मालाकोट बड़े पारा मंडली से खाले पारा तक 400

मीटर लंबी सीसी सड़क निर्माण कार्य भी किया गया, जिसकी अनुमानित लागत 11.25 लाख रुपये है। इसके पश्चात कोण्डागांव विधानसभा अंतर्गत नेवता गांव में भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां नेवता से जुनापानी तक 4 किमी लंबी डामरीकरण सड़क का निर्माण 562.06 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। वहीं फूलसिंह घर से पूर्व माध्यमिक स्कूल तक 200 मीटर लंबी सीसी सड़क निर्माण कार्य 6 लाख रुपये की लागत से और फूलसिंह घर से पूर्व माध्यमिक स्कूल तक 200 मीटर लंबी सीसी सड़क निर्माण कार्य भी 6 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक लता उसेंडी ने कहा कि, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सड़क, पुल-पुलिया और मूलभूत सुविधाओं का सशक्त विस्तार ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जनजीवन को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि, कोण्डागांव विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाना उनका संकल्प है, और आने वाले समय में क्षेत्र के और भी कई गांवों में इसी तरह के निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाएंगे।

साइबेरियन पक्षी का शिकार करते पकड़े गए तीन लोग जांच का हवाला देकर कर दिया गया मामला को रफादफा

देवभोग। बरसात के दिनों में विभिन्न प्रजाति के पक्षी का आगमन होता है विदेशी सायबेरन पक्षी का झुंड नदी किनारे पर बसा देवभोग के अमाड़ पंचायत के आश्रित ग्राम जामगुरियापारा में देखा जाता है, हर वर्ष इस जगह पर पक्षी का आगमन इस क्षेत्र में होता है, बता दे की इस वर्ष भी साइबेरियन पक्षियों का झुंड देखा गया जमगुरिया पारा अमाड़ गांव के तीन लोग जिसमें दो नाबालिक और एक वयस्क व्यक्ति को इसका शिकार करते पकड़ा गया था, वन अमला ने कार्यालय बुलाकर मामला को रफा दफा कर दिया गया। मामला 21 सितंबर का है, इस संबंध में वन विभाग के कर्मचारी से पूछे जाने पर जांच का हवाला दिया जा रहा है, बता दें की 3 वर्ष पहले भी साइबेरियन पक्षी के शिकार करते गांव के एक नाबालिक को जेल भेजा गया था आज भी सम्बंधित नाबालिक का

न्यायालयीन प्रकरण जारी है, अब सवाल यह उठता है कि वन विभाग में और कई ऐसे मामले होते है जो आपसी साठगांठ में खत्म कर दिया जाता है और उच्च अधिकारियों को इसकी भनक भी नहीं लगती।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका भर्ती प्रक्रिया,दावा-आपत्ति 17तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा अंतर्गत नवीन स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्र तिफरा वार्ड क्र. 7 कालिका नगर केंद्र 14 हेतु सहायिका एवं तिफरा वार्ड क्र. 8 चित्रकांत जायसवाल केंद्र 13 हेतु कार्यकर्ता एवं सहायिका तथा पोड़ी स.क्र. 3 हेतु कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पद की पूर्ति हेतु आवेदन मंगाए गए थे। प्राप्त आवेदनों की जांच कर अनंतिम सूची जारी कर दी गई है, जिसे आयुक्त, नगर पालिक निगम बिलासपुर, कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बिल्हा एवं कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा के सूचना पटल में चस्पा किया गया है। जारी सूची के संबंध में दावा-आपत्ति 8 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक प्रस्तुत किये जा सकते है।

सहकारी समिति की मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 13 तक

बिलासपुर। नर्मदा प्राथमिक उपभोक्ता भंडार सहकारी समिति मर्यादित की मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। जिसका अवलोकन उप पंजीयक सहकारी संस्थायें बिलासपुर के कार्यालय, विकासखण्ड बिल्हा के कार्यालय, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा मुख्य जिला बिलासपुर के सूचना पटल पर चस्पा कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 13 अक्टूबर तक सोसाइटी कार्यालीय में या कार्यालय उप पंजीयक बिलासपुर में सप्रमाण लिखित प्रस्तुत कर सकते है। दावा आपत्तियों का निराकरण 14 अक्टूबर को सवेरे 11 बजे किया जाएगा।

डाक विभाग करेगा सुकन्या चेलेंजेस बैडमिन्टन ट्राफी का आयोजन

बिलासपुर। डाक विभाग द्वारा सुकन्या चेलेंजेस बैडमिन्टन ट्राफी का आयोजन 15 और 16 अक्टूबर को किया जाएगा। खेल का आयोजन दुर्ग संभाग में होगा, जिसमें सभी जिले के प्रतिभागी भाग ले सकते है। इसमें केवल 13 वर्ष तक आयु के बालक एवं बालिका भाग ले सकती है। खेल में भाग लेने के लिए बालक प्रतिभागी का पीपीएफ खाता, पीओएसबी खाता से लिंक आईपीपीबी खाता होना चाहिए। बालिका प्रतिभागी के लिए उनके नाम से सुकन्या समृद्धि खाता तथा पीओएसबी बचत खाता से लिंक आईपीपीबी खाता होना चाहिए। इस आयोजन में केवल वोमेन्स सिंगल और मेंस सिंगल खेला जाएगा। खेल में बेडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नियम व शर्तों का पूर्णत: पालन किया जाएगा। शुरूआती खेल 15-15 अंक का एवं सेमी फाइनल और फाइनल 21-21 अंक का खेला जाएगा। यह खेल एएस 10 या जो बाजार में उपलब्ध हो शटल कॉक से खेला जाएगा। जीतने वाले खिलाड़ी में से पहला, दूसरा एवं तीसरा स्थान वाले को नगद प्राइज, मेडल एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा। इस खेल में तीन श्रेणियां होंगी जिसमें 9 वर्ष आयु तक के प्रतिभागी, 11 वर्ष तक के प्रतिभागी एवं 13 वर्ष तक के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। खेल में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को आने जाने रूकने, खाने पीने का व्यय स्वयं वहन करना होगा। विजेता प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार 7 हजार, द्वितीय को 5 हजार एवं तृतीय स्थान प्राप्त दो विजेता को 3 हजार रूपए नगद प्रदान किया जाएगा। खेल के साथ डाक विभाग द्वारा अभिभावकों के लिए वर्कशाप एवं सेमीनार का भी आयोजन किया जाएगा। डाक विभाग की समस्त उत्पादों, फिलाटेली संबंधित कार्यों की जानकारी के लिए स्टॉल भी लगाया जाएगा। डाकघर अधीक्षक ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य डाकघर सुकन्या समृद्धि योजना को बढ़ावा देना है। प्रत्येक शाखा डाकघर को 2, उप डाकघर को 20 एवं प्रधान डाकघर को 50 प्रतिभागियों को शामिल करने का लक्ष्य दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए श्री प्रेमराज जाचक विकास अधिकारी पीएलआई दुर्ग, मोबाईल नम्बर 93290-23553 अथवा श्री अरूण कुमार तिवारी सहायक अधीक्षक बिलासपुर डाक संभाग मोबाईल नम्बर 70241-83156 अथवा नजदीकी डाकघर से संपर्क किया जा सकता है।

उरगा-कुसमुंडा नई रेल लाइन पर माल यातायात परिवहन की मिली अनुमति

कोरबा। दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत उरगा से कुसमुंडा तक 12.637 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत ब्रॉडगेज रेल लाइन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह रेल खंड छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेल कॉरिडोर (गेवरा रोड-पेंड्रा रोड) नई रेल परियोजना का महत्वपूर्ण अंग है। इस नई रेल लाइन के शुरू होने से क्षेत्र में माल यातायात की क्षमता और सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि और उद्योगों एवं कोयला उत्पादन क्षेत्रों को निर्बाध परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। अब गाड़ियाँ उरगा से सीधे कुसमुंडा तक चल सकेंगी, जिससे कोरबा स्टेशन में भीड़-भाड़ में कमी आएगी। 29 सितंबर को उच्च स्तरीय समिति द्वारा इस नवनिर्मित रेल खंड का निरीक्षण किया गया, जिसमें प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी सम्मिलित हुए। समिति द्वारा जारी ज्वाइंट सेफ्टी सर्टिफिकेट में यह प्रमाणित किया गया कि यह खंड माल यातायात परिचालन के लिए पूर्णत: सुरक्षित है।

एक पेड़ माँ के नाम के तहत किया पीपल के पेड़ का पौधारोपण

जिला सूरजपुर के आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर के एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे राज्यपाल रमेन डेका.....

■ जिला स्तरीय और आकांक्षी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से मंगल भवन प्रतापपुर में किया सीधा संवाद

सूरजपुर संवाददाता। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज जिला सूरजपुर के आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर के एक दिवसीय प्रवास पर थे। यहां उन्होंने प्रतापपुर मंगल भवन में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया और शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के अद्यतन स्थिति के सम्बंध में जानकारी ली। जिला स्तरीय और आकांक्षी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा आमजन आशा लेकर प्रशासन व शासन के पास आता है, प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा सेवा भाव व विनम्रता पूर्वक लोगों की समस्याओं को सुनें और निश्चित समय सीमा पर उनका निदान करें। बैठक में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने ब्लॉक में चल रही प्रमुख योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि प्रतापपुर ब्लॉक में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं में निरंतर सुधार देखा जा रहा है। आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट आंगनवाड़ी के रूप में विकसित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर के विभिन्न इंडिकेटर पर हो रहे कार्यो के सम्बंध में

राज्यपाल श्री रमेन डेका को प्रेजेंटेशन दिया गया। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के उद्देश्य से उपस्थित जनों को अवगत कराते हुए, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, आजीविका एवं आधारभूत संरचना क्षेत्रों में हो रहे कार्यों के सम्बन्ध में वृहद चर्चा की और उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नीति आयोग के गाइडलाईन का शब्दश: पालन करने की बात कही। बैठक में पंडों व कोरवा जनजाति को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें उनके लाइफस्पैन के सम्बंध में डाटा संग्रहण करने के निर्देश दिए गए ताकि उनके लाइफस्पैन को नैशनल राष्ट्रीय औसत जीवन प्रत्याशा के समकक्ष लाया जा सके। इसके साथ ही जनजाति समुदाय की संस्कृति को जिंदा रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिये गए। जनजाति समुदाय के लोगों के जीवन शैली, स्वास्थ्य व शिक्षा के स्तर मे सकरात्मक बदलाव के लिए उन्होंने योजना आधारित जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य की आवश्यकता को ध्यान मे रखते हुए ग्राउन्ड वॉटर लेवल रिचार्ज पर सकरात्मक कार्य करने, स्कूल मे ड्रॉप आउट की दर नगण्य करने, रूरल डेवलपमेंट को प्राथमिकता देने, सभी सरकारी संस्थानों मे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सुनिश्चित करने, जल संचय को बढ़ावा देने बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु शिक्षकों की लगातार मॉनीटरिंग करने, टीबी उन्मूलन पर युद्धस्तर पर कार्य करने इत्यादि विषय पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने पीएम आवास हितग्राहियों को सौंपी खुशियों की चाबी

सूरजपुर संवाददाता। आकांक्षी विकासखंड प्रतापपुर में महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा पीएम आवास ग्रामीण के कार्यों का समीक्षा किया गया। आवास पूर्ण कराने के साथ साथ हितग्राहियों को समय पर राशि प्रदाय करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही हितग्राहियों द्वारा शासन की महत्वकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत आवास को समयसीमा में अच्छा एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दशा में जनपद पंचायत प्रतापपुर के ग्राम पंचायत खजुरी के हितग्राही श्रीमती पूनम पैकरा, ग्राम पंचायत शिवपुर की हितग्राही श्री सुखराम तथा मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत् स्वीकृति प्राप्त हितग्राही श्रीमती

ज्योत्सना पैकरा को खुशियों की चाबी एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। उक्त हितग्राहियों को आवास योजना से 1 लाख 20 हजार एवं मनरेगा के अभिसरण से 90 मानव दिवस की मजदूरी राशि प्राप्त है। विभाग से मिली जानकारी अनुसार जिले में अब तक 72216 आवास स्वीकृत है जिसके विरुद्ध 53303 (77त्न) आवास पूर्ण है। इसी प्रकार जनपद पंचायत प्रतापपुर अन्तर्गत 8817 स्वीकृति के विरुद्ध 5463 (62त्न) आवास पूर्ण है। हितग्राहियों से अपील है कि जिनके भी आवास पूर्णता के लिए लंबित है वे जल्द आवास पूर्ण कराए।

शिव मंदिर में आपत्तिजनक कृत्य से फैला तनाव,9 गिरफ्तार हुए.....

बिलासपुर। शहर के सरकंडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात शिव मंदिर परिसर में एक युवक द्वारा किए गए आपत्तिजनक कृत्य के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए न सिर्फ मुख्य आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया, बल्कि उपद्रव फैलाने वाले अन्य 8 लोगों को भी हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार रात करीब 7:30 बजे की है जब आरोपी अशरफ खान, पिता अनीष खान ने मंदिर परिसर में अनुचित हरकत की। जैसे ही यह खबर इलाके में फैली, लोगों का गुस्सा भड़क उठा और स्थिति तेजी से तनावपूर्ण हो गई।

इस स्थिति का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। उन्होंने एक ठेले को क्षतिग्रस्त कर दिया और एक बाइक सहित अन्य सामान को आग के हवाले कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को नियंत्रित किया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह के नेतृत्व में विशेष पुलिस बल तैनात किया गया। आरोपी अशरफ खान के खिलाफ आईपीसी की धारा 299, 296, और 351(2) के तहत अपराध क्रमांक 1355/25 दर्ज किया गया है। वहीं, उपद्रव फैलाने वालों के खिलाफ भी अलग से मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद इसराईल, अरमान खान, सलमान खान, सहादत खान उर्फ छोटू, वैधनाथ यादव, ओमप्रकाश मानिकपुरी उर्फ गब्बर, करण यादव उर्फ केडी, गौकरण साहू उर्फ बोदू और कैलाश साहू के नाम शामिल हैं। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि फरार अन्य उपद्रवियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे मामले पर पुलिस की कड़ी नजर है और क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। फिलहाल अशोक नगर सहित आसपास के इलाकों में पुलिस बल तैनात है और स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

वाड्रफनगर वन क्षेत्र में हाथियों का कहर जारी चरवाहे की मौत से दहशत

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला मदनपुर गांव के पास चटनियां जंगल का है, जहां शुक्रवार को हाथियों के हमले में एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहन सिंह के रूप में हुई है, जो सुबह अपने मवेशियों को चराने जंगल गया था। दोपहर करीब 12 बजे जंगल में अचानक उसका सामना दो हाथियों से हो गया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, हाथियों ने उस पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, उसके साथ मौजूद एक अन्य ग्रामीण किसी तरह जान बचाकर भाग निकला। घटना की जानकारी ग्रामीणों को कुछ समय बाद लगी। जब लोग जंगल में सोहन सिंह की तलाश में पहुंचे तो उनका शव बरामद हुआ। तुरंत परिजनों और वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वाड्रफनगर के वन परिक्षेत्र अधिकारी रामनारायण राम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए वाड्रफनगर सिविल अस्पताल भिजवाया। वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को तात्कालिक राहत के तौर पर 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। इसके साथ ही ग्रामीणों को हाथियों की सक्रियता को लेकर सचेत किया जा रहा है। विभाग की टीम द्वारा गांव-गांव में मुनादी कर हाथियों के मूवमेंट की जानकारी दी जा रही है ।

कैंसर के चौथे स्टेज पर था बुजुर्ग सिम्स के चिकित्सकों ने दिया नया जीवन.....

बिलासपुर। डराने के लिए कैंसर का नाम ही काफी है शुरूआती अवस्था में कोई तकलीफ दर्द नहीं होने के कारण बिलासपुर निवासी मरीज इसे नजरअंदाज या लापरवाही के चलते ध्यान नहीं देता है, परन्तु जब तक कुछ तकलीफ हो तब तक मरीज का कैंसर बहुत आगे की चरण तक पहुंच चुका होता है तब यह जानलेवा और खतरनाक भी हो जाता है। कुछ ऐसी परिस्थिति से संघर्ष करते हुए बिलासपुर निवासी मरीज लक्ष्मण 61 वर्षीय मुंह में कैंसर के ग्रसित सिम्स के दंत चिकित्सा विभाग में इलाज के लिए पहुंचा। तंबाकू के कई वर्षों का सेवन करने से उसके मुंह में कैंसर हो गया था, लेकिन सिम्स के दंत चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने जटिल इलाज व सर्जरी से मरीज की जान बचाने के सफल हुए है। चूंकि उम्र अधिक होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घट जाती है। इस स्थिति में इलाज करना चुनौती पूर्ण हो जाता है। मरीज का कैंसर इतना बढ़ गया था, कि गले में उपस्थित लिंफ नोड में सूजन काफी बड़ा हो गया था। जिसका साइज 7×6 सेमी बढ़ गया था। जांच में पाया गया की कैंसर की अंतिम स्टेज से ग्रसित होने की पुष्टि हो गई। दंत चिकित्सा

विभाग के चिकित्सकों ने सर्जरी का निर्णय लिया, इलाज के लिए आवश्यक खून जांच एक्स-रे और सिटी स्केन कराकर सुनियोजित तरीके से 7-8 घंटे की जटिल सर्जरी कर पूरा किया गया। इस सर्जरी को तीन भागों में किया गया। इसमें कैंसर के साथ संक्रमित जबड़े के हिस्से को निकाला गया। कैंसर जो गर्दन में फैल गया था, उसको निकाला गया और अंत में कैंसर को निकालने के बाद खाली जगह पर छाती से मांस जिसे पीएमएमसी फ्लैप कहते हैं, का टुकड़ा निकालकर लगाकर सर्जरी पूरी की गई। सर्जरी को डॉ. भूपेन्द्र कश्यप के मार्गदर्शन में किया गया। सर्जरी करने वाली टीम में डॉ. संदीप प्रकाश (ओरल एवं मैक्जिलोफेसियल सर्जन) विभागाध्यक्ष, डॉ. जण्डेल सिंह ठाकुर, डॉ. केतकी किनिकर, डॉ. हेमलता राजमणी, डॉ. प्रकाश खरे, डॉ. सोनल पटेल, के अलावा निश्चेतना विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति, एवं मेजर ओटी के अन्य चिकित्सक, स्टाफ वार्ड बॉय तथा रेडियोडायग्नोसिस की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह एवं उनके अन्य स्टाफ सहित, सबके संगठित सहयोग से किया गया है।

भटगांव में भूमिगत खदान पर संकट,भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ नेतृत्व में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू हुआ....

■ एसईसीएल प्रबंधन की लापरवाही से 1100 मजदूरों की रोज़ी पर खतरा, क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर अंधकार के बादल

सूरजपुर/संवाददाता। जिले के भटगांव क्षेत्र की भूमिगत कोयला खदानों के सीटीओ की स्वीकृति में हो रही लगातार देरी ने अब हालात को विस्फोटक बना दिया है। भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ छत्तीसगढ़ ने इस गंभीर मुद्दे पर अनिश्चितकालीन आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। संघ के नेतृत्व में सोमवार से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू हो चुकी है, जबकि 13 अक्टूबर से कोयला संप्रेषण (डिस्पैच) पूरी तरह बंद करने की चेतावनी दी गई है। भटगांव 1 और 2 भूमिगत खदानों का सीटीओ (पर्यावरण स्वीकृति) 31 अक्टूबर 2025 तक समाप्त हो रहा है, और समय रहते नवीनीकरण नहीं होने की स्थिति में खदानों का संचालन बंद हो जाएगा। इससे एसईसीएल के लगभग 800 स्थायी मजदूर और करीब 300 ठेका मजदूर, कुल मिलाकर 1100 परिवारों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। सिर्फ मजदूर ही नहीं, बल्कि भटगांव क्षेत्र के 300 से अधिक दुकानदार, सैकड़ों किसान और स्थानीय लघु उद्योग भी इस संकट की चपेट में आएंगे। मजदूर संघ और स्थानीय लोगों का आरोप है कि एसईसीएल भटगांव क्षेत्र के प्रबंधन ने सीटीओ स्वीकृति के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। मजदूरों के बीच यह सवाल गूंज रहा है, क्या एसईसीएल महाप्रबंधक भटगांव की नाकामी के कारण यह खदान बंद होने की कगार पर है ? क्या सबएरिया, मैनेजर और

संबंधित अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं? संघ का आरोप है कि एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर ने वर्षों से भटगांव क्षेत्र की उपेक्षा की है। हर बार रिटायरमेंट के करीब पहुंचे अधिकारियों को ही महाप्रबंधक बनाकर भेजा जाता है, जिनका कार्यकाल एक-दो वर्ष से अधिक नहीं होता। ऐसे अस्थायी नेतृत्व में क्षेत्र के विकास और स्थायित्व की कोई योजना नहीं बन पाती। संघ का कहना है कि भटगांव को अब दीर्घकालिक, सक्रिय और दूरदर्शी नेतृत्व की आवश्यकता है, जो खदानों को बचा सके। खदान बंद होने की स्थिति में भटगांव क्षेत्र की पूरी अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी। कोयला उत्पादन और परिवहन से जुड़े सैकड़ों परिवार, व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, किसान और लघु उद्योग सीधे प्रभावित होंगे। मजदूर संगठन का कहना है कि अगर खदान बंद हुई तो यह केवल रोजगार का नहीं बल्कि भटगांव क्षेत्र के अस्तित्व का प्रश्न बन जाएगा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ छत्तीसगढ़ के ने स्पष्ट कहा है, हमारा संघर्ष मजदूरों की रोज़ी-रोटी ही नहीं, बल्कि भटगांव क्षेत्र के भविष्य की लड़ाई है। जब तक सीटीओ की स्वीकृति और खदान संचालन की गारंटी नहीं मिलती, आंदोलन जारी रहेगा। संघ ने यह भी चेताया है कि यदि एसईसीएल प्रबंधन ने जल्द कदम नहीं उठाया, तो यह आंदोलन पूरे एसईसीएल क्षेत्र में व्यापक रूप ले सकता है। भटगांव क्षेत्र के मजदूर अब कोयला मंत्रालय और एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं।

बांगोबांध का गेट तीसरी बार खोला जा सकता है

कोरबा। जलग्रहण क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा के कारण दिनांक 04/10/2025 को शाम 6 बजे मिनीमाता बांगो बांध का जलस्तर 358.10 मीटर एवं जलभराव 90.71 प्रतिशत हो गया है। बांध का जलस्तर एवं जल की आवक लगातार बढ रही है। जलभराव 92 प्रतिशत के आसपास होने पर या जल की अत्यधिक मात्रा में आवक होने पर मिनीमाता बांगो बांध के गेट पुन: तृतीय बार खोले जा सकते हैं। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले में हो रही बारिश को ध्यान में रखते हुए बाढ़ की स्थिति के नियंत्रण हेतु सभी एसडीएम को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य, विद्युत एवं अन्य लाइन डिपार्टमेंटल अधिकारी कर्मचारियों को सक्रियता से कार्य करने निर्देशित किया है। उन्होंने बांध एवं नदी के समीपस्थ इलाकों से चल अचल परिसम्पत्तियों को हटाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रो में मुनादी कराने के भी निर्देश दिए हैं। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांगों बांध संभाग क्र. 3 माचाडोली श्री धमेन्द्र निखरा (मो-7089042603) ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों से बांध से नीचे एवं हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का आग्रह किया है। साथ ही बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर निकालना सुनिश्चित कर लें।

मानसिक चेतना से जुड़ी बीमारी कोमा

चिकित्सा क्षेत्र में कोमा व्यक्ति की मानसिक चेतना से जुड़ी बीमारी है, जो सिर पर गहरी चोट लगने या किसी लम्बी दिमागी बीमारी के फलस्वरूप होती है। कोमा में रोगी की चेतना खत्म हो जाती है। अगर रोगी कोमा से शीघ्र बाहर नहीं आता तो उसके लिए जानलेवा भी हो सकता है।

कोमा को मेडिकल में अनकॉन्श्यस माइंड या चेतनाहीन दिमाग कहते हैं। सामान्यत : कोमा गहरी नींद की स्थिति होती है, जिससे व्यक्ति को जगाया नहीं जा सकता और न ही उस पर दर्द या रोशनी आदि का कोई प्रभाव पड़ता है। कोमा में व्यक्ति का दिमाग चलता रहता है, उसे सुनाई और दिखाई भी देता है, पर उसका शारीरिक बल खत्म हो जाता है। इसके बहुत से कारण होते हैं, पर सबसे बड़ा कारण सिर पर गहरी चोट लगना है। कोमा कितने लंबे समय तक रहेगा, ये उसके होने का कारण, स्थान, फैलाव और मस्तिष्क के नुकसान की गंभीरता पर निर्भर रहता है। कोमा कुछ घंटों से कुछ महीनों तक रह सकता है। और उसकी समाप्ति, ठीक होकर या स्थाई निर्जीव अवस्था या मौत होकर हो सकती है। कुछ लोग, जो कोमा से बाहर आते हैं, उनमें स्थाई शारीरिक या मानसिक विकलांगता रहती है। कुछ लोगों को स्वास्थ्य लाभ के लिए कई साल लगते हैं और कुछ अपेक्षाकृत जल्दी ठीक होते हैं।

कोमा के लक्षण

एक कोमा में व्यक्ति अचेत और संवाद करने में असमर्थ होता है या वह प्रकाश, ध्वनि या दर्द का जवाब नहीं देता। व्यक्ति उसके हाथ और पैर असामान्य तरीके से फैला सकता है, लेकिन वो उद्देश्यपूर्ण गतिविधि प्रदर्शित नहीं करता। एक गहरे कोमा में, मस्तिष्क के सांस पर नियंत्रण रखने वाले क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं, और एक कृत्रिम श्वांस यंत्र (एक यांत्रिक श्वास मशीन) की व्यक्ति को जीवित रखने के लिए आवश्यकता हो सकती है।

प्रमुख कारण

- किसी दुर्घटना में शरीर व सिर पर गहरी चोट लगना।
- केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में जैब रोग हो जाना।
- मधुमेह या यूरीमिया जैसे रोग बढ़ना।
- किसी दवाई, कार्बनडाई आक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड आदि के प्रभाव के कारण।
- बहुत अधिक मात्र में क्लोरोफॉर्म सूंघने पर।

अनेक रोगों की दवा-इमली

पुरानी इमली बहुत ही गुणकारी होती है। सूखी पुरानी इमली संदीपक, भेदक, हल्की, हृदय के लिए हितकारी, कफ एवं वात रोगों में पथ्यकारी तथा कृमिनाशक होती है। इसके बीज संग्रहणी, अतिसार, रक्तार्श, सोमरोग, प्रदर, प्रेमह, बिच्छू आदि विषैले जीवों के काटने के दर्द में उपयोगी है। इमली को हमेशा पानी में कांच या मिट्टी के पात्र में ही भिगोना चाहिये, तांबा, पीतल, कांसा या लोहे के पात्र में कभी नहीं।

इन बीमारियों को भगाएगी दूर

कब्ज : बहुत पुरानी इमली का शर्बत बनाकर पीने से कब्ज दूर होती है।
खाज-खुजली : इमली के बीज नींबू के रस में पीसकर लगाने से खाज दूर होती है।
लू लगना : गर्मी में एकदम बाहर निकलने से शरीर का जलीयांश शुष्क होकर तीव्र ज्वर हो जाता है। इसे लू लगना कहते हैं। इससे बचने के लिए लू के समय बाहर निकलने पर इमली का शर्बत पी लेने पर लू की आशंका नहीं रहती।
स्वप्नदोष : इमली के बीजों को चौगुने दूध में भिगोकर रख दें। दो दिन बाद छिलका निकालकर पीस लें। प्रतिदिन सुबह-शाम इसका सेवन करने से धातु पुष्ट होती है और स्वप्नदोष दूर होता है।
नपुंसकता : इमली के बीजों की गिरी, वटजटा, सिंघाड़ा, तालमखाना, कमरकस, कतीरागोंद, बबूल का गोंद, बीजबंद, समुद्रदोष, तुख्यमलंगा, कौंच के बीच, रीठे की गिरी, छोटी इलाइयची प्रत्येक को 10-10 ग्राम की मात्रा में लेकर बारीक चूर्ण बना लें और समभाग मिश्री की चाशनी मिलाकर जमा दें। सुबह-शाम 6-6 माशा सेवन करने से और ऊपर से गाय का दूध पीने से वीर्यहीनता, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन मिटकर नपुंसकता दूर होती है।
श्वेत प्रदर : बिना ऋतुकाल स्त्री की योनि से सफेद, लाल नीला, पीला स्राव होता रहे तो यह प्रदर रोग समझना चाहिए। अप्राकृतिक भोजन, अजीर्ण, अतिमैथुन, गर्भस्राव, क्रोध, शोक, चिंता ज्यादा चटपटे पदार्थों के सेवन आदि से यह रोग होता है। यह रोग कई प्रकार का होता है। इससे स्त्री का शरीर दिनों दिन कमजोर और रक्तहीन होता चला जाता है। इससे बचने के लिए लोहे की छोटी कड़ाही या तवे पर थोड़ी रेत डालकर चूल्हे पर चढ़ाकर खूब गर्म करें। बाद में इमली के बीज इसमें डाल दें और कड़छी चलाते रहें। अधभुने हो जाने पर गर्म दशा में ही इनके छिलके निकाल लें। बीजों को लोहे के हमामदस्ते में अच्छी तरह पीसकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण के वजन के बराबर मिश्री या शक्कर मिला लें। प्रात :-सायं 1-2 तोले की मात्रा में गाय के दूध के साथ या पानी से कुछ दिन लगातार सेवन करने से श्वेत प्रदर का रोग समाप्त हो जाता है।

संभालिए अपने दिल को

दिल से संबंधित बीमारियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। अब तो हृदय रोग कम उम्र के लोगों में भी होता देखा जा रहा है। उसका मुख्य कारण जीवन में तनाव का बढ़ना है। हम सदैव तनाव से ग्रस्त रहते हैं। दूसरा कारण यह है कि हमारा खान-पान का तरीका गलत होता जा रहा है, जो हृदय रोगों को बढ़ावा दे रहा है।

यदि हम इस रोग पर समय रहते ही ध्यान दें तो हम अपने छोटे से पर महत्वपूर्ण काम करने वाले दिल को संभाल सकते हैं। भारत में मांसाहार बढ़ने के कारण हमारे देश में हृदय में रोग की दर में भी बढ़ोतरी हुई है, जबकि विदेशों में लोग अब शाकाहार की ओर मुड़ रहे हैं। इसलिए उन देशों में हृदय रोग की दर में कमी आ रही है।

ये रखें सावधानियां

- शाकाहारी भोजन का सेवन करना चाहिए। शाकाहारी भोजन हृदय के लिये लाभदायक है।
- सरसों का शुद्ध तेल हृदय के लिए अच्छा माना जाता है। इसलिए भोजन में घी-मक्खन के स्थान पर रिफाइंड आयल और सरसों के तेल का ही प्रयोग करना चाहिए।
- जो लोग नाश्ते के तुरंत बाद काम के लिए निकल जाते हैं, उन्हें ध्यान रखना चाहिए वे हल्का नाश्ता लें। भारी नाश्ता हृदय पर दबाव डालता है। यदि भारी नाश्ता खाना पड़े तो उसके बाद कुछ आराम करें, तुरंत काम पर न निकलें।
- हृदय रोग से बचने के लिए शरीर को सक्रिय रखना बहुत जरूरी होता है। इसलिए व्यायाम और सैर को अपना साथी बना लें। सैर और व्यायाम करते समय मानसिक रूप से शांत रहें। ध्यान भी मानसिक तनाव को कम करता है।
- प्रतिस्पर्धा युग होने के कारण जब महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं होती तो लोग अक्सर अवसाद और मानसिक तनाव में आ जाते हैं। इसलिए महत्वाकांक्षाएं उतनी रखें, जिनको आप पूरा कर सकें या फिर यह सोच कर प्रयत्न करें कि पूरी नहीं होने पर पुन : उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। निराश नहीं होंगे।
- सूर्य की रोशनी जब हरे पत्तों पर पड़ती है, तब प्रकाश संश्लेषण होने से हवा में आक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। इसका अर्थ है सुबह अंधेरे और देर रात तक घूमने के लिए न निकलें। सूर्योदय के बाद ही सैर के लिए जाएं।
- मानसिक तनाव रक्त की रसायनिक संरचना को बिगाड़ने में मदद करता है। तनावग्रस्त होने से हृदय पर अतिरिक्त जोर पड़ता है, जिससे रक्तचाप बढ़ता है और रक्त में एलडीएल बढ़ जाता है, जो हृदय के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है।
- भागदौड़ से स्वयं को दूर रखें। वैसे तो आज की मांग के अनुसार कम समय में अधिक काम करने पड़ते हैं, जिससे भागदौड़ करना स्वाभाविक होता है। भागदौड़ भी हृदय पर अतिरिक्त भार डालता है, जो हृदय हेतु गलत है। कामों को योजनाबद्ध तरीके से करें और काम पर पूरा ध्यान और समय दें, ताकि अंत में भागदौड़ न करना पड़ जाए।
- भोजन धीरे-धीरे चबाकर करना चाहिए और पेट को स्वाद के चक्कर में ठूंसना नहीं चाहिए। अधिक भोजन सेवन करने से और जल्दी भोजन करने से भी हृदय पर जोर पड़ता है।
- हृदय के लिए सिगरेट, बीड़ी व शराब पीना सब हानिकारक हैं, इसलिए इन चीजों से परहेज ही करें।

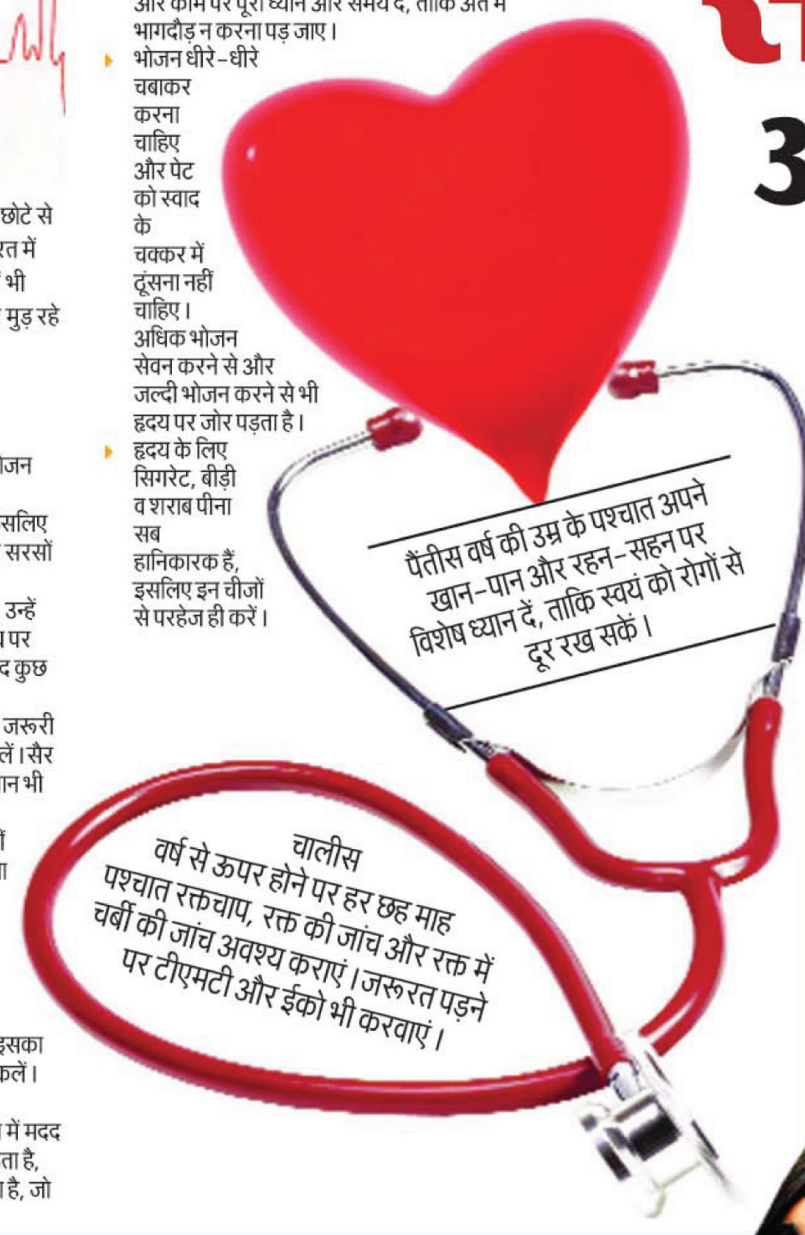

उच्च रक्तचाप और मधुमेह हृदय रोग को बढ़ावा देते हैं। ऐसी शिकायत होने पर शीघ्र ही उचित इलाज करवाएं। रात्रि के खाने के बाद तुरंत टहलना नहीं चाहिए, इससे दिल पर जोर पड़ता है। कोई भी व्यायाम या सैर खाना खाने से पहले ही करें। खाना खाने के बाद कदापि न करें। खाने के बाद कुछ देर विश्राम अवश्य करें।

कुंवारे रहने से जा सकती है याददाश्त

यदि आप कुंवारे हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि अधेड़ उम्र में पहुंचने पर आपकी याददाश्त गायब होने का खतरा हो सकता है। यह बात एक अध्ययन में कही गई है। अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ है कि विवाह विच्छेद के बाद अकेले रहने वाले लोगों के जीवन के अंतिम चरण में 'अल्जाइमर' की बीमारी का सामना करना पड़ सकता है।

स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की एक टीम ने इस बारे में अध्ययन किया और जीवन के मध्य भाग में जीवन साथी के महत्व का पता लगाया। अनुसंधाकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि स्त्री-पुरुष तलाक के बाद अकेले रहते हैं उन्हें जिन्दगी के आखरी पड़ाव में 'अल्जाइमर' होने का तीन गुना अधिक खतरा रहता है। अध्ययन में पाया गया है कि कुंवारे तथा तलाकशुदा लोगों और विधुर अथवा विधवाओं में सामाजिक अकेलापन के चलते स्मृति और सुध-बुध खोने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

जीवन साथी को रखें खुश

लंदन के अखबार 'डेलीमेल' के अनुसार अध्ययन में एक हजार 498 लोगों को शामिल किया गया और उनसे उनके जीवन के मध्य भाग के संबंधों के स्तर के बारे में पूछा गया। इनसे 21 साल बाद संपर्क किया गया तो पता लगा कि 139 को 'स्मृति लोप' व 48 लोग 'अल्जाइमर' के शिकार पाए गए।

अकेला रहना पड़ सकता भारी

अनुसंधान टीम ने पाया कि जो लोग जीवन के मध्यम चरण में जीवन साथी के साथ रहते हैं उन्हें अकेले रहने वालों की तुलना में 'स्मृतिलोप' का 50 प्रतिशत कम खतरा रहता है। अध्ययन में पता लगा है कि तलाक के बाद जिन लोगों ने जिन्दगी अकेले गुजारी उन में यह खतरा तीन गुणा अधिक पाया गया।

पति-पत्नी का बेहतर संबंध

अनुसंधान कर्ताओं का कहना है कि युगल संबंध आमतौर पर सामाजिक और बौद्धिक प्रेरणा का सबसे अच्छा स्वरूप है। यदि सामाजिक और बौद्धिक संबंध स्मृति लोप से रक्षा कर सकता है तो लोगों को अपने जीवन साथी के साथ रहना चाहिए।

हरी पत्तियों से भगाएं रोगों को

आयुर्वेद चिकित्सा शास्त्र में पेड़-पौधों की पत्तियों को जीवन रक्षक बताया गया है। प्राचीनकाल में इन्हीं पत्तियों के सेवन से लोग अपनी बीमारियों को ठीक किया करते थे। आज भी महत्व उतना ही है, जितना प्राचीनकाल में था।

अमरूद की पत्तियां

- अमरूद के पत्तों को कूटकर, लुगदी बनाकर उसे गर्म करके लगाने से गठिया की सूजन दूर हो जाती है।
- अमरूद के पत्तों को पीसकर उसका रस निकालकर उसमें स्वादानुसार चीनी मिलाकर नित्य पीते रहने से स्वप्नदोष की बीमारी में लाभ होता है।
- अमरूद की ताजी पत्तियों का रस 10 से 20 मिली तक नित्य सुबह-शाम पीने से ल्यूकोरिया नामक बीमारी में अप्रत्याशित लाभ पहुंचाता है।

चंपा की पत्तियां

- चंपा फूल की पत्तियों को पीसकर उसमें बराबर मात्रा में पानी मिलाकर पीने से पित्त विकार, रक्त विकार एवं पेट के कृमियों में अत्यंत लाभ होता है।
- चंपा फूल की पत्तियों को चबाकर रस चूसने से दांत के कीड़े व पायरिया रोग में लाभ होता है।

अंजीर की पत्तियां

- अंजीर की पत्तियों के रस के सेवन से रक्तपित्त, रक्तविकार, वायुविकार आदि का नाश होता है तथा शरीर पुष्ट होता है।
- श्वेत कुष्ठ वाले स्थान पर अंजीर के पत्तों की लुगदी नित्य बदल-बदल कर लगाते रहने से लाभ होता है।

वृक्षों की पत्तियां अनेक गुणों से परिपूर्ण होती है। प्रकृति द्वारा प्रदत्त ये पत्तियां न सिर्फ हरियाली देती हैं, बल्कि इन पत्तियों में स्वास्थ्य रक्षा के अनेक सूत्र भी छिपे होते हैं। इन पत्तियों का उपयोग कर कई रोगों को ठीक किया जा सकता है।

बनफ्सा की पत्तियां

- बनफ्सा की पत्तियों को कुचलकर लुगदी बना लें और उसे घाव, सूजन, पर बांधने से तथा उसका काढ़ा बनाकर पीने से बुखार व मूत्र रोगों में फायदा होता है।

अन्नास की पत्तियां

- अन्नास की सफेद पत्तियों के ताजे रस में चीनी मिलाकर सेवन करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं।
- यह विरेचन का काम भी करता है।
- इसके रस को अधिक मात्रा में पीने से उल्टियां हो सकती हैं।

चिरयता की पत्तियां

- ज्वर में चिरयता की पत्तियों को पीने से लाभ होता है।
- इसकी पत्तियों को पानी के साथ गर्म करके काढ़ा बनाकर पीने से ज्वर में तथा पत्तियों को भिगोकर उसके पानी को छानकर पीने से रक्त में स्थित दोष समाप्त हो जाते हैं।

चौलाई की पत्तियां

- चौलाई की पत्तियों को पानी के साथ उबालकर उस पानी में नमक डालकर पीने से पेट दर्द या दस्त साफ न आने में लाभ होता है।

पिपरमेंट की पत्तियां

- पिपरमेंट की पत्तियों के रस को सूंघने से सर्दी, सिरदर्द व जुकाम में अत्यन्त लाभ पहुंचाता है।

अडूसा की पत्तियां

- अडूसा की 3-4 पत्तियों को पीसकर उसका रस निकाल लें। रस में बराबर मात्रा में शहद मिलाकर दिन में तीन बार चाटने पर खांसी से आराम मिल जाता है।

लहसुन के पत्ते

- लहसुन के पत्तों को पीसकर दाद पर लगाते रहने से आराम होता है।

नीबू की पत्तियां

- नींबू की पत्तियों के रस को फोड़े-फुंसियों पर लगाते रहने से वे ठीक हो जाते हैं।

अनार की पत्तियां

- अनार की ताजी पत्तियों के साथ काली मिर्च (गोलकी) को पीसकर 100 ग्राम पानी में मिलाकर सुबह-शाम पीने से श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया) में अप्रत्याशित लाभ होता है।

आम की पत्तियां

- आम के पत्तों की भस्म जले हुए स्थान पर नारियल तेल में मिलाकर लगाने से आराम होता है।
- आम के पत्तियों को कुलचकर पानी में डालकर काढ़ा बनाकर पीते रहने से प्रदर की परेशानियों से मुक्ति मिलती है। इसमें स्वादानुसार चीनी मिलाई जा सकती है।

बिल्व पत्र

- बेल के पत्तों को पानी में पीसकर माथे पर लेप करने से मस्तिष्क की गर्मी शांत होती है तथा नींद खूब आती है। बेल की पत्तियां 15 नग, बादाम की गिरियां 2 नग तथा मिश्री 250 ग्राम को मिलाकर, पीसकर आंच पर पका लें। जब शर्बत की तरह बन जाये तो उतार कर ठंडा करके पीते रहने से एक माह के अंदर ही नपुसंकता दूर हो जाती है।

खेत में काम कर रहे लोगों पर मधुमक्खियों का हमला, दो की मौत, चार घायल

नवागांव के छोटे पुलिया के पास हुई घटना, घायलों का इलाज जारी, उनकी हालत सामान्य

राजनांदगांव। शहर के नवागांव वार्ड में मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया। घायलों को मेडिकल हास्पिटल में एडमिट कराया गया। जहां उपचार के दौरान देर रात महिला-पुरुष की मौत हो गई। वहीं चार लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। उनका इलाज किया जा रहा है, सभी हालत अभी सामान्य है। वहीं मौत के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार नवागांव में रहने वाले लोग रेलवे छोटे पुलिया के पास खेत में काम करने गए थे। तभी मेड़ पर मधुमक्खियों का झूंड था। लोगों की आवाजाही के बाद मधुमक्खियों ने उन पर हमला बोल दिया। तत्काल सभी इधर-उधर भागने लगे। वहीं सुशीला यादव जिसकी उम्र तकरीबन 58 बताई गई है, वह मेड़ पर ही गिर गई। इस कारण मधुमक्खियों ने उस पर काफी

डंक मार दिया। कुछ समय ही बीता था कि घटना के समय वहां भागकर गया शिव कुमार यदु अपने सामान को लेने 15 साल के बेटे हर्ष के साथ पहुंचा तो मधुमक्खियों ने उस पर हमला बोल दिया। दोनों के पास शॉल था, जिसे शिव ने अपने बेटे हर्ष को ढक दिया। इसके चलते काफी गंभीर अवस्था में शिव खुद घायल हो गया। इसके अलावा तीन अन्य लोगों को भी मधुमक्खियों ने घायल किया है। सभी को पेंड्री स्थित मेडिकल हास्पिटल ले जाया गया, जहां देर रात शिव की मौत हो गई और रविवार सुबह सुशीला ने भी दम तोड़ दिया। वहीं हर्ष और तीन अन्य का इलाज हास्पिटल में किया जा रहा है।

कैसे होती है ऐसी घटनाओं में मौत

इस बारे में मेडिकल कॉलेज उप अधीक्षक डॉ. पवन जेठानी ने बताया कि मधुमक्खियों के डंक में पाइजन होता है। वह शरीर में फैल जाता है। इस कारण घायल को श्वास लेने में दिक्कत होती है और इसका सीधा असर हार्ट पर होता है। इसी के चलते उसकी जान जाती है। डॉ. जेठानी ने कहा कि यदि ऐसी घटना कभी हो तो देरी नहीं करनी चाहिए। तत्काल हास्पिटल पहुंचकर इलाज कराना चाहिए। ताकि डंक के कण को जल्द निकाला जा सके और बेहतर उपचार समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि नवागांव में हुई घटना में दो लोगों की जान गई है। घायलों का ट्रीटमेट हो रहा है, उनकी स्थिति बेहतर है।

संक्रमण से बचने उपाय जरूरी, पानी जमा न होने दे, इधर निगम ने बांटी टेबलेट

राजनांदगांव। मौसमी बीमारी मलेरिया, डेंगू एवं अन्य संक्रामक बीमारियों को फैलने रोकथाम व बचाव के लिए नागरिकों को डोर टू डोर जाकर समझाईश देने का काम किया जा रहा है। साथ ही सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारियों को दायित्व सौपने स्वास्थ्य अधिकारी एवं मिशन क्लीन सिटी प्रभारी को निर्देशित किए है।

आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि मौसमी बिमारी डेंगू मलेरिया तथा अन्य संक्रामक बीमारी फैलने की संभावना बनी रहती है। उसे ध्यान में रखते हुए महापौर मधुसूदन यादव के निर्देश पर नागरिकों को संक्रामक बीमारी से बचाने नगर में साफ सफाई रखने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि साथ ही अपने घरों व उसके आस पास साफ-सफाई रखने, पानी में क्लोरिन टेबलेट का उपयोग करने, किसी भी प्रकार की बीमारी पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में सम्पर्क करने अपील की जा रही है। इसके अलावा निर्देशानुसार प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा एवं स्वास्थ्य अमला को निर्देशित किया गया है कि प्रतिदिन नाली नालों की सफाई कर नियमित रूप से कचरा उठाए, दवाई का छिडकाव करे। नलों, हैण्डपंपों के आसपास व गड्ढों में भरे पानी को कच्ची नाली खोद कर निकासी की व्यवस्था करें एवं कैपास व नुवान दवाई का छिड़काव करे, जिससे लार्वा उत्पन्न न हो।

महापौर यादव एवं आयुक्त विश्वकर्मा ने कहा है कि बारिश के कुलर को अच्छी तरह से साफ कर खस वाली शीट को कडक धुप में सुखाना है क्याकि डेंगू के मच्छर एंडीस के अण्डे कूलर के खस की शीट में चिपके रहते है और नमी मिलते ही जीवित हो जाते है। इसलिये धूप में सुखाना अत्यंत आवश्यक है। इसी प्रकार आंगन एवं छत की खुली हुई पानी टंकियों को ढक कर रखना है व टूटे फूटे मटके, टायर-ट्यूब, प्लास्टिक के बाटल, डब्बे को नष्ट करना है। फ्रिज के पानी जमा होने वाले ट्रे के पानी को एवं मंदिर में रखे कलश के पानी को प्रति सप्ताह बदलना है। घरों के आस पास पानी जमा नहीं होने देना है।

पुलिस द्वारा आयोजित ओपन शतरंज प्रतियोगिता का किया गया समापन

बलौदाबाजार। इंडोर स्टेडियम बलौदाबाजार में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ओपन शतरंज प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 में वर्ष प्रवेश पर्व एवं छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर यातायात जागरूकता, साइबर जागरूकता एवं नशा मुक्ति अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसमें आकांक्षा जायसवाल अध्यक्ष जिला पंचायत बलौदाबाजार-भाटापारा, अशोक जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार, सुलोचना यादव अध्यक्ष जनपद पंचायत बलौदाबाजार, जिला कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, गणेश धम्मशील वन मंडलाधिकारी के मुख्य अतिथ्य में दीप प्रज्वलन कर ओपन

शतरंज प्रतियोगिता का विधिवत उदघाटन किया गया। ओपन शतरंज प्रतियोगिता प्रातः 08:00 बजे से लेकर रात्रि 08:00 बजे तक लगातार चलती रही, जिसमें 15 वर्ष से कम बालक एवं बालिका वर्ग तथा 15 वर्ष से अधिक महिला एवं पुरुष वर्ग में कुल 07 राउंड में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शतरंज प्रतियोगिता में 15 वर्ष से कम बालिका वर्ग में अदिति पांडे ने प्रथम पुरस्कार जीता तथा द्वितीय स्थान में नित्या वैष्णव रहीं तथा बालक वर्ग में प्रथम पुरस्कार लक्ष्य गुप्ता ने जीता तथा प्रांजल सिंह उपविजेता रहे। इसी प्रकार 15 वर्ष से अधिक आयु महिला वर्ग में भाग्यश्री पटेल विजेता तथा रोशनी साहू उपविजेता रहीं एवं पुरुष वर्ग में रूपेश कुमार मिश्रा ने विजेता का खिताब जीता तथा वैभव साहू द्वितीय स्थान पर रहे। समापन कार्यक्रम के अवसर पर पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता द्वारा विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, ट्राफी एवं नगद राशि से पुरस्कृत किया गया।

आदि सेवा पखवाड़ा के कार्यों का मनीष ठाकुर ने लिया जायजा

दल्लीसजहस। केन्द्र सरकार के महत्वाकांक्षी आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित आदि सेवा पखवाड़ा के कार्यों का जायजा लेने भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं केन्द्रीय जनजातीय कार्य मामले के अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर 02 अक्टूबर को जिले के एक दिवसीय प्रवास पर पहुँचे। इस दौरान उन्होंने डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम गुजरा एवं दानीटोला में आयोजित विशेष ग्राम सभा में शामिल होकर विलेज विजन प्लान 2030 के कार्यों का अवलोकन किया। इस मौके पर अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर ने विलेज विजन प्लान 2030 के निर्माण के संबंध में ग्रामीणों एवं जनजातीय परिवार के लोगों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने आदि सेवा पखवाड़ा के दौरान ग्रामीणों एवं जनजातीय परिवार के लोगों की सहमति से गांवों में मूलभूत

सुविधाओं एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु तैयार की गई विलेज मैप का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय प्रतिनिधि एवं अतिरिक्त सचिव ठाकुर ने ग्राम गुजरा एवं दानीटोला में आयोजित विशेष ग्राम सभा में उपस्थित जनजातीय परिवार के लोगों से चर्चा कर उनके गांव एवं अंचल तथा जनजातीय परिवार के लोगों के प्रमुख मांगों एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। केन्द्रीय प्रतिनिधि एवं अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर के गुजरा पहुँचने पर ग्रामीण एवं जनजातीय परिवार के लोगों तथा बिहान स्व सहायता समूह के दीदियों के द्वारा भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, आदिवासी विकास विभाग के अपर संचालक जितेन्द्र गुप्ता, एसडीएम सुरेश साहू सहित जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम, ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच एवं पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनजातीय समाज के लोग उपस्थित थे। केन्द्रीय प्रतिनिधि एवं अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर ग्राम पंचायत गुजरा के सभाकक्ष में आदि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विशेष ग्राम सभा में शामिल होकर मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों का परिचय भी प्राप्त किया। ठाकुर ने जनजातीय परिवार के लोगों को उनके कल्याण हेतु संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने तथा गांव एवं आदिवासी अंचलों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु विशेष ग्राम सभा में आयोजित जनजातीय परिवार के लोगों से बारी-बारी से चर्चा कर उनके मांगों एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान केन्द्रीय प्रतिनिधि मनीष ठाकुर ने गांव में शिक्षा का स्तर, प्रमुख फसल, व्यापार व्यवसाय, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल की सुविधाओं की उपलब्धता आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने मौके पर उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से चर्चा कर आंगनबाड़ी केन्द्र में कुल धात्री एवं गर्भवती माताओं की संख्या के अलावा कुपोषित बच्चों की संख्या में भी जानकारी ली। उन्होंने कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी लाने हेतु किए जा रहे उपायों की भी जानकारी ली तथा इसके लिए जरूरी उपाय सुनिश्चित कराने को कहा। जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम ने उपस्थित ग्रामीणों की सहमति से बीमार लोगों को समय पर अस्पताल पहुँचाने हेतु 108 वाहन सुविधा तथा ग्राम गुजरा में पुस्तकालय निर्माण करने की मांग की।

जनजातीय बोलियों के संरक्षण के लिए आदिवाणी एप्प लॉन्च

बलौदाबाजार। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय बोलियों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार हेतु एआई आधारित आदिवाणी नाम से एप्प विकसित किया गया है।प्रथम चरण में गोंडी, भीली,मुण्डारी और संथाली बोली को शामिल किया गया है। यह भारत का पहला एआई आधारित अनुवाद एप्प है जिसमें जनजातीय भाषा एवं बोलियों में अनुवाद कार्य किया जा सकता है जो कि जनजातीय भाषाओं एवं बोलियों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा एवं विलुप्त हो रही जनजातीय बोलियों को संरक्षित कर उसके प्रचार-प्रसार के लिये बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। इस एप्प से हिन्दी-अंग्रेजी एवं संबंधित

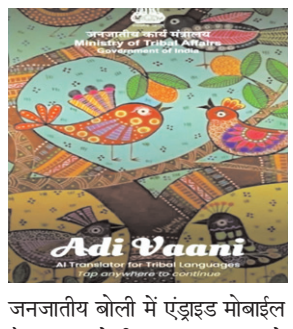

जनजातीय बोली में एंड्राइड मोबाईल के माध्यम से रीयल टाइम वाक्य से वाक्य एवं स्पीच टू स्पीच अनुवाद किया जा सकता है। आदिवाणी एप्प एंड्राइड मोबाईल के प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते है, साथ ही यह ऐप उपयोगकर्ताओं को अपनी प्रतिक्रिया देने की भी सुविधा उपलब्ध कराती है जिससे डेटासेट विस्तृत और सटीक बनता है।

राजहरा युथ वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित रास गरबा सीजन-7 का हुआ भव्य समापन

दल्ली राजहरा। नगर की सांस्कृतिक धरोहर बन चुके रास गरबा सीजन-7 का ग्रैंड फिनाले इस वर्ष अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। राजहरा युथ वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चार दिवसीय महोत्सव में लगभग 600 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस वर्ष रास गरबा ऑफ द सीजन का खिताब गीत जायसवाल ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से अपने नाम किया, जिन्हें डायमंड रिंग से सम्मानित किया गया। वहीं गरबा किंग का खिताब तोमेश देवांगन और गरबा क्वीन का खिताब श्रेया नायडू को प्रदान किया गया। चार दिनों तक चले इस उत्सव में हर दिन अलग-अलग थीम जैसे भगवा साफा, कलर ऑफ इंडिया,

गरबा पोषक के आधार पर प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों में अपनी प्रस्तुति दी। प्रत्येक दिवस नृत्य, वेशभूषा एवं उत्साह के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार भी प्रदान किए गए। फिनाले के अवसर पर अतिथि कुशल कथूरिया, पवन सोनी तथा महिला समाज अध्यक्ष रेखा गहरवार विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि दल्ली राजहरा की सांस्कृतिक पहचान को इस आयोजन ने नई ऊँचाइयाँ दी हैं। समिति के सदस्य एम. एस. श्रीजीत ने बताया कि अन्य नगरों की भाँति दल्ली राजहरा में भी पारंपरिक गरबा उत्सव को जीवंत रखने और युवा वर्ग को भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के उद्देश्य से यह आयोजन सात वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया था। यह कार्यक्रम नगर का प्रमुख सांस्कृतिक पर्व बन चुका है। हर वर्ष बढ़ती सहभागिता और उत्साह इस आयोजन की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि अन्य विजेताओं में रितु सखरकर, खुशबू साहू, शिल्पा जायसवाल, बरखा सकुरे, अमनदीप सिंह, वंशिका सखरकर, लावण्या सहजिया, वर्षा भारद्वाज।

शरद पूर्णिमा 7 अक्टूबर को दिगम्बर जैन में आचार्य श्री का अवतरण दिवस मनाया जाएगा

भिलाई । संत शिरोमणी आचार्य विद्यासागर महाराज ओर आचार्य समय सागर महाराज का अवतरण महोत्सव शरद पूर्णिमा 7 अक्टूबर को भिलाई मे दिगम्बर जैन मंदिर नेहरु नगर मे भव्य और दिव्य रूप से आर्यिका अक्षयमति एवम निर्मद मति माताजी के सानिध्य मे मनाया जायेगा। गुरू गरिमा दिवस के त्रय विधान महोत्सव के दूसरे दिन आज सोमवार को ऋध्दिधारी मुनिराज की आराधना करते हुए श्री चोसठ ऋद्धि मंडल विधान हुआ । माता के मुखारविद से मंगल शान्तिधारा अनिल ऊषा जैन एवम महावीर अर्चना पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ है । सोमवार को भिलाई नगर गोरव मुनि 108 प्रणेय सागर महाराज की दीक्षा दिवस मनाया गया साथ ही आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के तैल चित्र का अनावरण एवम दीप प्रज्वलित कर अर्घ्य समर्पित किये गए। विधान के दूसरे दिन सोधर्म इन्द्र बनकर अर्घ समर्पित का सोभाग्य अनिल ऊषा जैन ,ईशान इन्द्र श्वेता भारत गोधा ,सानत इन्द्र विजय सरला जैन महेन्द्र इन्द्र जिनेन्द्र सिमा चौधरी कुबेर इन्द्र रूचि आर के सिघई परिवार को प्राप्त हुआ।

दुर्ग में कृषि महाविद्यालय की घोषणा , इंडियन वेटनरी एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

राष्ट्रीय सम्मेलन के सुझाव पर क्रियान्वयन करेगी राज्यसरकार-कृषि मंत्री

दुर्ग। पशु एवं मानव स्वास्थ्य,पर्यावरण और वन्य जीवों के बीच बहुक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। जिसका उद्देश्य वन हेल्थ फ्रेमवर्क के अंतर्गत एन्टीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती से प्रभावी ढंग से निराकरण करना है। उक्ताशय की बातें कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में इंडियन वेटनरी एसोसिएशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ के अवसर पर कही .उन्होंने आयोजकों से कहा कि इस सम्मेलन में दिए गए सुझाव को केन्द्र व राज्य सरकार को अवगत कराएं। ताकि इसका क्रियान्यन सरकार द्वारा और बेहतर ढ़ंग से किया जा सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ दवाईयों पर अनुसंधान भी बढ़े है। इनके उपयोग पर मानव आज उलझ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग हेतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आज भी एक चुनौती है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से पशु पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही कृषि के मामले में जैविक खेती पर जोर देते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों

को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे आना चाहिए। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे जैविक खेती को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और वैज्ञानिक तकनीको को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करें। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए कृषि एवं पशुपालन विभाग के माध्यम से किसानों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की मांग पर कामधेनु विश्वविद्यालय अंतर्गत दुर्ग में कृषि महाविद्यालय की घोषणा भी की। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने विश्वविद्यालय की स्मारिका, सोवेनियर बकरी प्रशिक्षण कैलेण्डर 2026 का विमोचन किया। सांसद विजय बघेल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में दुर्ग में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सम्मेलन के दौरान विषय विशेषज्ञों के सुझावों से प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का सुझाव शासन को प्रेषित किया जाए, जिससे राज्य के नीति निर्धारण में इन सुझावों को समावेशित किया जा सके। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप संबंधित विभाग एन्टीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती पर प्रभावी ढ़ंग से कार्य कर रहें है। उन्होंने बताया कि निश्चित रूप से एंटीबॉयोटिक दवाओं का उपयोग चिकित्सकीय निदान पर ही किया जाना चाहिए। सम्मेलन को सफल बनाने में शोधकर्ताओं, पशुचिकित्सकों, चिकित्साविदो और विशेषज्ञों की भागीदारी एवं सुखद सुझाव सामने आएंगे। उन्होंने कामधेनु विश्वविद्यालय अंतर्गत दुर्ग में कृषि महाविद्यालय खोलने के लिए मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम का ध्यान आकृष्ट किया। समारोह को विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने भी संबोधित किया। कामधेनु विश्वविद्यालय के प्रभारी डीन डॉ. संजय शाक्य अपने स्वागत उद्बोधन में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे,भारत सरकार के पशुपालन आयुक्त डॉ. प्रवीण मलिक, कार्यपालन निर्देशक एवं एम्स रायपुर के सीईओ लेफ्टीनेंट जनरल अशोक जिंदल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति लुआस, हिसार (हरियाणा) डॉ. विनोद कुमार वर्मा, निर्देशक एनआईओएच नागपुर डॉ. प्रज्ञा यादव, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड डॉ. जी. मणि, अध्यक्ष इंडियन वेटनरी एसोसिएशन डॉ. सुधिर कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निर्देशक शिक्षक उपस्थित थे।

निगमकर्मियों को दीवाली से पहले मिलेगा तोहफा, 56 कर्मचारियों को मिलेगी एकमुश्त उपादान राशि, महापौर की पहल, वित्त प्रभारी का प्रयास

एक करोड़ 15 लाख 86 हजार 780 रुपए की राशि का भुगतान

दुर्ग। दुर्ग नगर पालिक निगम द्वारा दीपावली से पहले कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी गई है। महापौर अलका बाघमार एवं वित्त विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे की पहल पर 56 कर्मचारियों को एक साथ एकमुश्त उपादान राशि प्रदान की जाएगी। इस वितरण 7 अक्टूबर को मोतीलाल सभागार में 3 बजे किया जाएगा।

एक करोड़ 15 लाख 86 हजार 780 रुपए की राशि जीवित एवं मृत्यु दोनों श्रेणी के कर्मचारियों को दी जाएगी।महापौर अलका बाघमार ने बताया कि कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, सभापति श्याम शर्मा के मार्गदर्शन और आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशन में संभव हुआ है।बता दें नरेंद्र बंजारे वित्त विभाग

प्रभारी ने पिछले तीन महीनों से लगातार विभागीय बैठकों का संचालन किया। उन्होंने लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करवाया, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों को अब उनके हक और मेहनत की पूंजी मिलने जा रही है।उपादान राशि के वितरण की घोषणा के बाद निगम परिसर में हर्ष का माहौल है।इस दौरान महापौर अलका बाघमार और नरेंद्र बंजारे वित्त विभाग प्रभारी ने कहा कि निगम के कर्मचारी प्रशासन की रीढ़ हैं। उनके बिना नगर निगम का कोई भी कार्य सफल नहीं हो सकता। इसलिए कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनके हक का सम्मान करना निगम प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।आने वाले समय में भी निगम द्वारा कर्मचारी-हितैषी निर्णय लगातार लिए जाएंगे, जिससे सभी वर्गों को समान लाभ मिल सके।इसके वित्त विभाग प्रभारी ने बताया कि शेष बचे कर्मचारीयो का उपादान राशि जल्द आगामी दिनों किया जाएगा।इसी कड़ी में आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि प्रशासन हमेशा पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। उपादान राशि वितरण जैसे निर्णय न केवल आर्थिक राहत देते हैं, बल्कि कर्मचारियों में संगठन के प्रति अपनापन और विश्वास भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि ÷खुशहाल कर्मचारी ही मजबूत निगम की पहचान हैं÷, इसलिए इस दिशा में प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com